दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

वर्ष: 2 | अंक: 212 | जयपुर, बुधवार, 12 जुलाई, 2023 | श्रावण, कृष्ण पक्ष- दशमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak | YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

जरूरी खबर

खेतड़ी ट्रस्ट को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत

जयपुर। दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी के चांदपोल बाजार स्थित खेतड़ी हाउस सहित करीब 2500 करोड़ की संपत्तियों के वसीयत विवाद में खेतड़ी ट्रस्ट को राहत देते हुए पूर्व राजा राय बहादुर सरदार सिंह की वसीयत को सही माना है। जस्टिस नाजमी वजीरी और जस्टिस विकास महाजन की खंडपीठ ने खेतडी ट्रस्ट के पक्ष में प्रोबेट जारी करने को कहा है। खंडपीठ ने एकलपीठ के 3 जुलाई, 2012 के पूर्व राजा की वसीयत पर संदेह करते हुए ट्रस्ट के पक्ष में प्रोबेट जारी करने से इनकार करने के आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने राजस्थान एस्चीट्स रेगुलेशन एक्ट 1956 के तहत लिए कब्जे को भी गलत माना है।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट आज से

रोसीयू (डोमिनिका)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट बुधवार से विंडसर पार्क, रोसेउ, डोमिनिका में खेला जाएगा। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया मजबूत नजर आ रही है। टीम इंडिया इस दौरे पर पांच टी-20 मैच और तीन वनडे मैच भी खेलेगी। भारत ने आखिरी बार 2022 में वेस्टइंडीज का दौरा किया था, जब टीम इंडिया ने टी20 सीरीज 4-1 से और वनडे सीरीज 3-0 से जीती थी। इसके अलावा, भारत ने टेस्ट मैच के लिए वेस्टइंडीज का आखिरी दौरा 2019 में किया था।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

रिकॉर्ड तोड़ बरसे मेघ: दक्षिणी पश्चिमी क्षेत्र में बीते 41 दिन में ही सामान्य से कई गुना अधिक हुई बरसात

जालोर में 527 तो पाली में 413 प्रतिशत अधिक बरसात

■ दो जिलों में 40 इंच से अधिक वर्षा ■ नौ जिलों में 20 इंच गिरा पानी ■ जैसलमेर में सामान्य से 68.4 फीसदी कम बरसात

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के दक्षिणी पश्चिमी क्षेत्रों में इस वर्ष इंद्रदेव खूब मेहरबान हुए। इसी वजह से 1 जून से 11 जुलाई तक सिरोही और पाली के कई इलाकों में जहां 40 इंच (1000 एमएम से अधिक) बारिश हुई, वहीं जालोर, उदयपुर और राजसमंद समेत 9 जिलों में इस दौरान 20 इंच (500 एमएम) से अधिक पानी बरसा।

दूसरी तरफ जालोर जिले में सामान्य बारिश से 527 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई, गौरतलब है कि यहां पिछले 41 दिनों में 86.60 एमएम बारिश दर्ज की जानी थी, जो 543 एमएम दर्ज की गई। इसके अलावा पाली में सामान्य से 413 प्रतिशत अधिक बरसात हुई। इसके साथ ही सिरोही जिले में 356.2 प्रतिशत अधिक तो राजसमंद में 281 प्रतिशत अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। इधर जैसलमेर में सामान्य से भी 68.4 प्रतिशत कम बारिश हुई।

गौरतलब है कि पिछले दिनों बिपरजॉय तूफान के चलते प्रदेश के कई जिलों में हुई भारी बरसात के कारण बाढ़ जैसे हालात हो गए थे। कई इलाके जलमग्न हो गए थे। इसके अलावा मानसून की एंट्री के साथ ही शुरू हुई बारिश के चलते रिकॉर्ड बारिश दर्ज की जा रही थी।

50 से ज्यादा स्थानों पर हुई 20 इंच से अधिक बरसात

प्रदेश के 9 जिलों में 41 दिन में 50 से अधिक ऐसे स्थान है, जहां 500 एमएम (20 इंच से अधिक) बारिश दर्ज की गई। इन जगहों में पाली जिले की 17 जगहों के अलावा सिरोही जिले की 14 जगह, जालौर, राजसमंद जिले की 6 जगह, अजमेर, टोंक, और उदयपुर जिले की दो जगह के अलावा सवाई माधोपुर जिले की एक जगह शामिल है।

इन स्थानों पर बरसा 40 इंच से ज्यादा पानी

राज्य की दक्षिणी पश्चिमी इलाकों में बिपरजॉय तूफान के चलते कई स्थानों पर 40 से 50 इंच तक बारिश दर्ज की गई। 1 जून से 11 जुलाई तक सर्वाधिक बारिश सिरोही के माउंट आबू में 1252 एमएम (करीब 50 इंच) हुई। सिरोही के शिवगंज इलाके में ही 1199 एमएम (47 इंच से अधिक), पाली के खिवांडी बांकली में 1036 एमएम (40 इंच से अधिक) बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं प्रदेश के 5 जिलों की 7 जगहों पर पिछले दिनों 30 इंच से अधिक बारिश हुई। इन जगहों में सिरोही के केर में 968 एमएम (38 इंच से अधिक) के अलावा पाली के सुमेरपुर में 960 एमएम (37 इंच से अधिक), पाली के तखतगढ़ में 886 एमएम (34 एमएम से अधिक), जालौर में 856 एमएम (33 इंच से अधिक) और आहोर में 833 एमएम (32 इंच से अधिक), राजसमंद के गढ़बोर में 831 एमएम (32 इंच से अधिक), पाली के मुठाना में 821 एमएम (32 इंच) बारिश दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री गहलोत का लाभार्थियों से संवाद

सुरक्षा और रोजगार पर कानून बनाएगी सरकार

■ BJP पर कसा तंज... हमारी सिंगल इंजन वाली सरकार कर रही है ज्यादा काम

विधानसभा के इसी सत्र में लाया जाएगा बिल: CM

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं रोजगार गारंटी को लेकर कानून बनाएगी। मुख्यमंत्री निवास पर राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में सीएम गहलोत ने कहा कि प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत और उनकी सामाजिक सुरक्षा उनकी सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है। आमजन को न्यूनतम आय और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में कमी नहीं रखी जाएगी।

इसी भावना को लेकर राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्र में सामाजिक सुरक्षा पेंशन और रोजगार गारंटी को लेकर हम कानून बनाएंगे। इससे प्रतिमाह न्यूनतम पेंशन राशि सहित हर वर्ष 15 प्रतिशत बढ़ोतरी सुनिश्चित की जाएगी। महात्मा गांधी नरेगा योजना और इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत राजस्थान में हम न्यूनतम 125 दिन का रोजगार सुनिश्चित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन राजस्थान सरकार के सामाजिक सुरक्षा मॉडल का प्रमुख अंग है। पेंशन आपका मान-सम्मान है, इसलिए राज्य सरकार सामाजिक और आर्थिक सम्बल प्रदान करने के हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में देशवासियों को खाद्य सुरक्षा, सूचना, रोजगार और शिक्षा की गारंटी दी गई, अब वर्तमान केंद्र सरकार को भी पूरे देश में एक समान सामाजिक सुरक्षा कानून बनाना चाहिए, ताकि जरूरतमंदों को सहायता मिलें।

मुख्यमंत्री ने राज्य के 51 लाख 21,969 पेंशनधारकों के बैंक खातों में 1005 करोड़ 41 लाख 28,750 रुपए हस्तांतरित किए। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पर राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में मई-जून माह की बढ़ी हुई पेंशन राशि (न्यूनतम 1000 रुपए) प्रत्यक्ष अंतरण लाभ से भेजी।

प्रथम चरण में 40 लाख महिलाओं को मिलेगा स्मार्ट फोन, राशन पैकेट भी जल्द

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रथम चरण में 40 लाख महिलाओं को इसी माह से स्मार्ट फोन तीन साल की इंटरनेट सुविधा के साथ वितरित किए जाएंगे। साथ ही शीघ्र ही मुख्यमंत्री निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में राशन पैकेट का वितरण भी आरंभ किया जाएगा।

डबल इंजन तो हो रहा है फेल

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा नेताओं के 'डबल इंजन की सरकार' के नारे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सिंगल इंजन वाली उनकी सरकार लोगों के लिए ज्यादा काम कर रही है और वह ज्यादा सुरक्षित है। भाजपा के लोग कई बार कहते हैं कि हमारी सरकार डबल इंजन की सरकार है। उनका एक इंजन तो जगह-जगह फेल हो रहा है।उन्होंने आगे कहा कि असली इंजन तो राजस्थान सरकार है। सिंगल इंजन की सरकार होते हुए भी हम वे काम कर रहे हैं जो देश में डबल इंजन की सरकारें नहीं कर पा रही हैं। वह काम राजस्थान में हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार को झटका

'ED निदेशक मिश्रा का तीसरी बार कार्यकाल बढ़ाना अवैध'

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार को करारा झटका लगा है। शीर्ष कोर्ट ने ईडी निदेशक संजय कुमार मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को अवैध ठहरा दिया है। शीर्ष अदालत ने उन्हें अपने लंबित काम निपटाने के लिए 31 जुलाई 2023 तक का समय दिया है। साथ ही न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने ईडी निदेशक के कार्यकाल को अधिकतम पांच साल तक बढ़ाने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम में संशोधन की बात कही है। अदालत ने कहा है कि सरकार कानून बनाकर कार्यकाल में विस्तार कर सकती है, लेकिन अध्यादेश लाकर ऐसा करना वैध नहीं है।

खुशी मना रहे लोग भ्रम में, भ्रष्टाचार पर जारी रहेगी कार्रवाई: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि ईडी का निदेशक कौन है, क्योंकि जो कोई भी इस पद पर होगा, वह विकास विरोधी मानसिकता रखने वाले परिवारवादियों के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार पर नजर रखेगा। शाह ने कहा कि ईडी मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर खुशी मना रहे लोग विभिन्न कारणों से भ्रम में हैं। सीवीसी (केंद्रीय सतर्कता आयोग) अधिनियम में संशोधन, जिसे संसद द्वारा विधिवत पारित किया गया था, को बरकरार रखा गया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट और कानून का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए ईडी की शक्तियां पहले जैसी हैं क्योंकि यह एक ऐसी संस्था है जो किसी व्यक्ति विशेष से परे है और यह अपने मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रति लक्षित है, यानी धन शोधन और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन के अपराधों की जांच करना।

कैंसर की दवा GST दायरे से बाहर

ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो घुड़दौड़ पर 28% GST

■ सिनेमाघरों में खानपान पर घटा कर

एजेंसी | नई दिल्ली

जीएसटी परिषद ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों, कसीनो और घुड़दौड़ के कुल कारोबार पर 28% की दर से कर लगाने का मंगलवार को फैसला किया। इसके अलावा परिषद ने सिनेमाघरों में परोसे जाने वाले खाने-पीने के सामान पर कर को घटाकर 5% करने का भी निर्णय लिया। इसके साथ ही जीएसटी दर के अलावा उपकर लगाने को लेकर एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) की परिभाषा में भी बदलाव किया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में यहां आयोजित जीएसटी परिषद की बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक के बाद सीतारमण ने कहा कि वर्तमान में उपकर लगाने के लिए एसयूवी की परिभाषा में चार मानदंड रखे गए हैं। ।

बैठक में कैंसर के इलाज वाली दवा और दुर्लभ बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली औषधि को जीएसटी दायरे से बाहर रखने का भी फैसला किया गया। इसके अलावा परिषद ने निजी कंपनियों की तरफ से दी जाने वाली उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं को भी जीएसटी से छूट देने का भी फैसला किया।

ACB के हत्थे चढ़े 4 घूसखोर

बेधड़क | जयपुर

एसीबी टीम ने मंगलवार को सहकारी समितियां के उप रजिस्ट्रार एवं निरीक्षक को पांच लाख की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि सहकारी समितियां (जयपुर) के उप रजिस्ट्रार देशराज यादव और निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह को परिवादी से पांच लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इससे पहले भी परिवादी से आरोपी पांच लाख रुपए ले चुके थे। एक अन्य मामले में जालोर जिले करड़ा थानाधिकारी अमर सिंह एवं इसी थाने के हेड कांस्टेबल प्रतापाराम को एक मामले में डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

संकट में होनहारों का भविष्य

80 हजार से अधिक दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में 'संजय' की कमी

- प्रदेश में विशेष शिक्षा की आधी अधूरी उड़ान
- व्याख्याताओं की कमी से जूझ रहे हैं प्रदेश के दिव्यांग स्कूल
- प्रदेश में आज तक नहीं लगाए गए विशेष शिक्षा के व्याख्याता

श्रवण भाटी | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश में सरकार द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष विश्वविद्यालय तो खोल दिए गए, लेकिन इन विश्वविद्यालयों तक पहुंचने के स्टूडेंट्स के द्वार बंद हैं। आजादी के बाद से ही प्रदेश में मूक बधिर, अंध, मानसिक विमंदित दिव्यांग बच्चों के लिए विद्यालयों का संचालन हो रहा है, लेकिन अभी तक उच्च माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ाने के लिए व्याख्याता विशेष शिक्षक नहीं लगाए गए हैं।

प्रदेश में शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर में दो, बांसवाड़ा में कक्षा एक से लेकर 12वीं तक दिव्यांग स्कूल खोले हुए हैं। इन स्कूलों सहित ब्लॉक स्तर की सीनियर स्कूल में 80 हजार से अधिक दिव्यांग विद्यार्थी पंजीकृत है। विद्यालयों में पढ़ाने के लिए तृतीय श्रेणी के करीब 2 हजार शिक्षक और 225 के करीब वरिष्ठ अध्यापक कार्यरत है, लेकिन एक भी पद व्याख्याता विशेष शिक्षा का नहीं है। ऐसे में इन स्कूलों में कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद व्याख्याता नहीं होने से हर साल बच्चों की ड्राप आउट की संख्या बढ़ रही हैं।

निजी स्कूल में शिक्षक नहीं किए नियुक्त : विशेष योग्यजन आयुक्त उमाशंकर शर्मा ने मार्च माह में राज्य के करीब 50 हजार प्राइवेट स्कूलों में विशेष शिक्षक रखने के आदेश जारी किए हैं, लेकिन निजी स्कूल में अभी तक कोई विशेष शिक्षक नियुक्त नहीं किए गए।

कैडर बनाना भूली सरकार

प्रदेश के सीनियर सेकंडरी और प्रारंभिक स्कूलों में पढ़ने वाले 80 हजार 152 दिव्यांग विद्यार्थी पंजीकृत है, लेकिन शिक्षा विभाग द्वारा संभाग के मुख्यालय पर मूकबधिर व नेत्रहीनों के लिए सीनियर सेकंडरी स्तर की स्कूल तो खोल दिए गए, लेकिन व्याख्याता पद का कैडर बनाना भूल गई। ऐसे में करीब एक लाख बच्चों को पढ़ाने के लिए व्याख्याता विशेष शिक्षा उपलब्ध नहीं है। वहीं सरकार ने विशेष योग्यजन महाविद्यालय व दिव्यांग विश्वविद्यालय जोधपुर और बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय जामडोली जयपुर में संचालित किए जा रहे हैं, लेकिन बिना सीनियर स्कूल में पढ़े ये बच्चे उच्च शिक्षा में कैसे पहुंचेंगे।

> सरकार को शिक्षा विभाग में जल्द से जल्द व्याख्याता विशेष शिक्षा की भर्ती कर उच्च माध्यमिक स्तर पर दिव्यांगों के ड्रॉप आउट को रोकना चाहिए। ड्रॉप आउट रोकने से ही दिव्यांगों की उच्च शिक्षा संभव होगी। प्रदेश सरकार को दिव्यांगों की शिक्षा के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए व्याख्याता विशेष शिक्षा की भर्ती संबंधी नियमों की फाइल जो पिछले दो वर्षों से प्रक्रियाधीन है, उसको सरकार को शीघ्र अनुमोदित करना चाहिए।
>
> **- पवन शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान विशेष शिक्षक संघ**

> विशेष बच्चों के लिए सरकार को निशक्तजन आयुक्त के निर्देश के बावजूद प्राइवेट स्कूलों में विशेष शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हैं। सरकारी स्कूलों में व्याख्याता विशेष शिक्षा के पद सृजित करने चाहिएं। वहीं संस्कृत शिक्षा में विशेष शिक्षा का प्रावधान किया जाए, सरकार द्वारा विशेष बच्चों के लिए महाविद्यालय और विश्वविद्यालय खोले गए हैं ऐसे में विशेष शिक्षा में व्याख्याता कैडर बनाना समाचीन रहेगा।
>
> **-विपिन प्रकाश शर्मा, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजस्थान प्रा.व मा. शिक्षक संघ**

जरूरी खबर

अपनी नाकामी के कारण हारेगी भाजपा-कांग्रेस

जयपुर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस अपनी नाकामियों के कारण चुनावों में हारेगी। साढ़े चार साल तक जनता से दूरी बनाए बैठी भाजपा अब विजय संकल्प बैठक कर जीत के लिए मंथन करने में जुटी है। वहीं सीएम गहलोत पेंशन योजना के लाभार्थियों से संवाद कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने जनता से कभी संवाद करने की कोशिश नहीं की। सरकार की हठधर्मिता के आगे लोगों को बेबस होकर सड़कों पर उतरना पड़ा। इस कारण कांग्रेस के कई मंत्री और विधायकों का उनके ही विधानसभा क्षेत्र में भारी विरोध है।

मेजर दलपत सिंह कल्याण बोर्ड के गठन को मंजूरी

जयपुर। राजस्थान सरकार ने मेजर दलपत सिंह (हाइफा स्मृति) कल्याण बोर्ड के गठन को मंजूरी दी है। बोर्ड गठन के आदेश के बाद रावणा राजपूत समाज की ओर से मुख्यमंत्री गहलोत का आभार जताया गया। इस बीच विधायक मनीषा पंवार सीएमआर पहुंची और सीएम को धन्यवाद दिया। गौरतलब है कि पिछले दिनों रावणा राजपूत सेवा संस्थान के एक प्रतिनिधिमंडल ने आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ से मुलाकात कर समाज के उत्थान के लिए मेजर दलपत सिंह कल्याण बोर्ड के गठन की मांग की थी। जिसके बाद धर्मेन्द्र राठौड़ ने समाज की मांग को सरकार तक पहुंचाने का प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया था।

विवादित बयानों से कांग्रेस की स्थिति 'शूर्पणखा' जैसी

जयपुर। राजस्थान के सैनिक कल्याण राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के विवादित बयान पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह जानबूझकर दिया गया बयान है। ऐसे ही बयानों की वजह से आज कांग्रेस की स्थिति 'शूर्पणखा' जैसी है। मंगलवार को ट्वीट कर शेखावत ने कहा कि हिंदुओं की हंसी उड़ाने और अपने वोट बैंक की चमचाई करने के लिए कितना नीचे गिरेंगे ये कांग्रेसी? भारत की आस्था प्रभु श्रीराम को पागल बताते हुए राजस्थान सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को स्वयं के अस्तित्व पर शर्म नहीं आई।

प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा का दावा: राजस्थान में पार्टी एकजुट है और एकजुट रहेगी, विधानसभा चुनाव जीतेंगे

कांग्रेस पदाधिकारियों की सूची सभी खेमों को साधने वाली

■ पीसीसी में नए पदाधिकारियों का लगा रहा तांता

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी को संतुलित बताते हुए पार्टी की राज्य इकाई में किसी तरह की खेमेबाजी की अटकलों को मंगलवार को खारिज कर दिया और दावा किया कि राज्य में कांग्रेस एकजुट है, एकजुट रहेगी और आगामी विधानसभा चुनाव जीतेगी। सोमवार की रात को कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान में पार्टी संगठन में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की। इसके तहत राज्य संगठन में 21 उपाध्यक्ष, 48 महासचिव व 122 सचिव बनाए गए हैं। साथ ही 25 जिलों में जिलाध्यक्ष भी नियुक्त कर दिए गए हैं। इन नियुक्तियों में पार्टी के सभी 'खेमों' में संतुलन साधने की कोशिश के सवाल पर डोटासरा ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस में कोई खेमा नहीं है।

कांग्रेस में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का ही खेमा है। सब कांग्रेस के सिपाही हैं। राजस्थान में किसी खेमे, गुट या नेता की बात नहीं करें, कांग्रेस की बात करें। 2024 में हम केंद्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को हटाकर रहेंगे।

भाजपा में अंदरूनी झगड़ा

विधानसभा और लोकसभा चुनावों को लेकर भाजपा की सोमवार को संपन्न विजय संकल्प बैठक पर कटाक्ष करते हुए डोटासरा ने कहा कि विजय तो हो नहीं रही, विजय की ओर तो वे बढ़ नहीं रहे। उनको तो आपस में लड़ने से ही फुरसत नहीं है। भाजपा में अंदरूनी झगड़ा गहरा है। विजय उनको मिलेगी ही नहीं तो संकल्प का क्या फायदा। पार्टी के नए पदाधिकारियों की घोषणा के बाद जयपुर में कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में मंगलवार को खासी चहल पहल रही। डोटासरा भी वहां पहुंचे। नवनियुक्त पदाधिकारियों के अपने समर्थकों के साथ पार्टी मुख्यालय पहुंचने और एक दूसरे को बधाई देने का सिलसिला चलता रहा।

सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिला

डोटासरा ने नई कार्यकारिणी को बहुत ही संतुलित बताते हुए कहा कि इसमें लगभग 60 प्रतिशत युवा हैं और सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिला है। उन्होंने कहा कि वह अपनी नई टीम के साथ आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार हैं। डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार के कामकाज का जनता के बीच प्रचार-प्रसार करना पार्टी संगठन के सामने बहुत बड़ी चुनौती होती है। उन्होंने कहा कि इस बार तो और ज्यादा चुनौती इसलिए भी है कि हमारी सरकार ने काम बहुत किए हैं और हर वर्ग के लिए काम किया है।

डॉ. राजपाल शर्मा ने जताया आभार

युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा को पीसीसी महासचिव बनाए जाने पर ओर नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा को झुंझुनूं कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर डोटासरा का प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बुके भेंट कर आभार जताया।

मुख्यमंत्री से बोले लाभार्थी, सरकार ने समस्याओं का किया समाधान

इंदिरा गांधी रोजगार योजना को दिया जाएगा कानूनी रूप: सीएम

■ शहरी लोगों को 125 दिन का मिलेगा रोजगार

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश में इंदिरा गांधी शहरी और ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को कानूनी रूप दिया जाएगा। गहलोत ने मंगलवार को कहा कि राजस्थान देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां पर शहरी लोगों को भी रोजगार दिया जा रहा है। जिसे अब जल्द ही कानून का अमलीजामा पहना दिया जाएगा।

इसके बाद शहरी लोगों को भी 125 दिन का रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को प्रदेश के 51 लाख 21 हजार 969 पेंशनरों के बैंक खातों में 1005 करोड़ 41 लाख 28 हजार 750 रुपए हस्तांतरित किए। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत और उनकी सामाजिक सुरक्षा हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। गहलोत ने लाभार्थी संवाद कार्यक्रम में कहा कि आमजन को न्यूनतम आय और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने में कमी नहीं रखी जाएगी।

51 लाख से अधिक पेंशनरों के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित

लाभार्थियों ने किया आभार व्यक्त

मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान लाभार्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने हमारी हर तकलीफ को दूर किया है। इस दौरान अजमेर से आई लाभार्थी बबली ने कहा कि उसके खाते में पेंशन की बढ़ी हुई राशि आई है। पालनहार योजना में भी सहायता राशि बढ़ने से सम्बल मिला है। सरकारी स्कूलों में सुविधाएं बढ़ने से बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल रही है।

बारां की लाभार्थी कविता जोशी ने कहा कि मेरी जैसी जरूरतमंद महिलाओं को बढ़ाकर पेंशन दी, आपका आभार। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं ने हर वर्ग को लाभ पहुंचाया है। इसी तरह टोंक से आई पवित्रा भार्गव ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों का पालन-पोषण और उनके जीवनयापन में मदद कर रही है। राहत का यह सिलसिला आगे भी निरन्तर जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री निवास पर हुआ कार्यक्रम

मुख्यमंत्री निवास पर हुए कार्यक्रम में गहलोत ने कहा कि मुझे खुशी है कि आप लोगों का घर पर स्वागत करने का मौका मिला, अभी मुझे ठीक होने और समय लगेगा, जितना समय मुझे ठीक होने में लगेगा उतना में दृढ़ हो रहा हूं। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी आईटी की क्रांति लेकर आए थे, उसी की बदौलत आज हम सभी विकास की ओर बढ़ रहे हैं। जैसे आज मैंने एक बटन दबाते ही पैसा आपके खातों में ट्रांसफर कर दिया। गहलोत ने कहा कि आज 50,00,000 लोगों को एक साथ डीबीटी के जरिए पेंशन दी जा रही है, जो कि राजीव गांधी का सपना था, वह दुनिया में मोबाइल क्रांति लेकर आए थे और आज हम राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा के तहत कई योजनाओं का लाभ जनता को दे रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष की याचिका

दूसरे राज्यों को बिजली बेचने पर रोक लगाने की मांग

■ राजस्थान विद्युत नियामक आयोग में राठौड़ ने की पैरवी

बेधड़क | जयपुर

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने विद्युत नियामक आयोग में याचिका पेश कर प्रदेश में स्थापित सोलर कंपनियों से उत्पादित बिजली को राज्य में ही बेचे जाने की अनिवार्यता की मांग की है। राठौड़ ने अपनी याचिका पर खुद ही पैरवी की।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में सबसे ज्यादा सनी डेज (300 से ज्यादा) राजस्थान में ईश्वर प्रदत्त है तथा राजस्थान में 1 लाख 42 हजार मेगावाट सोलर विद्युत उत्पादन की संभावनाएं मौजूद हैं। सवाल इस बात का है कि जमीन हमारी, विद्युत संयंत्र लगाने के लिए पेड़-पौधे हमारे काटे जाते हैं। दुर्भाग्य से सोलर विद्युत उत्पादन को उत्पादक कंपनियां दूसरे राज्यों में अपने मुनाफे के लिए धड़ल्ले से बेच रही हैं।

राठौड़ ने कहा कि यह इस बात से सिद्ध होता है कि राजस्थान में वर्तमान में 31 मार्च 2023 तक 16 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। जिसमें लगभग हजारों बीघा जमीन हमारी काम में आई है। इतना ही नहीं देश और विदेश की ख्यातिनाम कंपनियों के साथ विभिन्न एमओयू विद्युत उत्पादन निगम की तरफ से किए जा चुके हैं, लेकिन दुर्भाग्य से मात्र राज्य के विद्युत तंत्र को 6 हजार मेगावाट से कम ही बिजली उपलब्ध हो रही है, जो कुल विद्युत उत्पादन का लगभग 1 तिहाई है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब रूफटॉप सोलर के लिए पॉलिसी लेकर आ रहे हैं, तो सरकार राज्य में उत्पादित सोलर एनर्जी का 50% विद्युत उत्पादन करने पर विद्युत कंपनियों को राज्य में ही क्रय करने का नीतिगत निर्णय क्यों नहीं लेती? नियामक आयोग इस दिशा में पहल करें।

BJP में शामिल हुए नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से की मुलाकात

नए सदस्यों को दिया जीत का मंत्र

बेधड़क | जयपुर

पिछले दिनों भाजपा में शामिल हुए नेताओं ने मंगलवार को नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान नड्डा ने पार्टी में आए नए नेताओं को शुभकामनाएं दीं और राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए जीत का मंत्र दिया।

बता दें कि पिछले दिनों पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों और कांग्रेस, बसपा के प्रमुख नेताओं ने भाजपा का दामन थामा था। इसमें से कुछ लोग राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलने दिल्ली पहुंचे। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा, पूर्व मंत्री एवं विधायक वासुदेव देवनानी एवं मीडिया संपर्क प्रमुख आनंद शर्मा उपस्थित रहे।

वहीं पार्टी के नए सदस्यों में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, सेवानिवृत्त महानिदेशक गोपाल मीणा, पूर्व आईपीएस रामदेव सिंह, पृथ्वीराज मीणा, पूर्व रेवेन्यू अधिकारी पी.आर. मीणा, हेमंत शर्मा, ओमप्रकाश पहाड़िया, विजेंद्र सिंह शेखावत, बसपा के पूर्व महासचिव अशोक कुमार वर्मा, सेवानिवृत्त आईएएस चंद्रमोहन मीणा मौजूद रहे।

विनायक शर्मा की मेघवाल से मुलाकात, दीया कुमारी भी रहीं मौजूद

राजनीतिक हालात, धर्म-संस्कृति पर चर्चा

बेधड़क | जयपुर

'सच बेधड़क' के फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा ने देश के कानून मंत्री अर्जुन लाल मेघवाल से मुलाकात की। नई दिल्ली के शास्त्री भवन में हुई इस मुलाकात में विनायक शर्मा ने सबसे पहले मेघवाल को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया और उन्हें देश का कानून मंत्री बनने की बधाई दी।

इस मुलाकात में विनायक शर्मा ने मेघवाल को 'सच बेधड़क' ग्रुप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विनायक शर्मा ने बताया कि 'सच बेधड़क' न्यूज चैनल राजस्थान में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और दिन-प्रतिदिन दर्शकों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि चैनल का सेटअप उत्तर भारत के रीजनल चैनल में न सिर्फ सबसे बड़ा और भव्य है, बल्कि एडवांस तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

वहीं 'सच बेधड़क' दैनिक अखबार की पाठक संख्या में भी निरंतर इजाफा हो रहा है। विनायक शर्मा ने बताया कि न्यूज चैनल और दैनिक अखबार में करीब साढ़े पांच सौ लोगों को रोजगार मिला है।

विनायक शर्मा और मेघवाल के बीच धर्म एवं संस्कृति पर भी विस्तार से बात हुई। मेघवाल ने विनायक शर्मा के आध्यात्मिक ज्ञान की जमकर तारीफ की। विनायक शर्मा और मेघवाल की मुलाकात के दौरान सांसद दीया कुमारी भी मेघवाल से मिलने वहां पहुंची। विनायक शर्मा और मेघवाल ने दीया कुमारी का स्वागत किया।

नमो वॉलंटियर्स की प्रदेश कार्यशाला आयोजित

CM चाहे जितने पेड वर्कर लगाएं, नाकामियों को नहीं छिपा सकतेः जोशी

■ इक्कीसवीं सदी के स्वर्णिम युग में जी रहा भारत: चंद्रशेखर

बेधड़क | जयपुर

भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियों में जुटी है। जिसके चलते मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में नमो वॉलंटियर्स की प्रदेश कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसमें प्रदेशभर की सभी विधानसभा क्षेत्रों से चयनित नमो वॉलंटियर्स कार्यशाला में पहुंचे। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और सांसद एंव राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने सभी वॉलंटियर्स को संबोधित करते हुए आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि नमो वॉलंटियर्स सायबर योद्धा हैं।

समाज में ये लोग सोशल मीडिया के माध्यम से सीधा मैसेज पहुंचाने का काम करते हैं। ये योद्धा सरकार की पोल खोलने का काम करेंगे। जोशी ने कहा कि गहलोत सरकार ने इन साढ़े चार सालों में जो किया है, वह किसी से छिपा नहीं है। भ्रष्टाचार से आज प्रदेश की जनता पूरी तहर त्रस्त हो चुकी है। जोशी ने कहा कि गहलोत चाहे जितने पेड वर्कर लगा लें, अपनी सरकार की नाकामियों को छिपा नहीं सकते। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने इस बीच नमो वॉलंटियर्स से प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं के नाम पूंछे जिसके जवाब में सभी कार्यकर्ताओं ने पीएम आवास योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुद्रा लोन योजना, जल जीवन मिशन योजना, मातृत्व वंदन योजना, आयुष्मान योजना और करोड़ों घरों में शौचालय की सौगात सहित विभिन्न योजनाओं के नाम गिनाए।

इस अवसर पर प्रदेश मंत्री बिजेंन्द्र पूनियां, सोशल मीडिया संयोजक हीरेन्द्र कौशिक, आईटी संयोजक धनराज सोलंकी, सह संयोजक शिवम विजयवर्गीय आदि लोग मौजूद रहे।

प्रदेश का भाग्य बदलेंगे नमो वॉलंटियर्स

प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखन ने नमो वॉलंटियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी रचनात्मकता के सहारे नमो वॉलंटियर्स प्रदेश का भाग्य अवश्य बदलेंगे। नमो वॉलंटियर्स के नाम के आगे उस आमदी का नाम जुड़ा है, जो 24 घंटे और सातों दिन देश के लिए काम करते हैं। हमारा सौभाग्य है कि हमें नरेंन्द्र भाई मोदी के रूप में ऐसे प्रधानमंत्री मिले। चंद्रशेखर ने कहा कि नरेंन्द्र मोदी का मतलब "ए मैन ऑफ डवलपिंग इंडिया" है। आज भारत इक्कीस वीं सदी के स्वर्णिम काल को जी रहा है। जिसमें अमेरिका जैसे देश भारत को 21 तोपों की सलामी देते हैं। मोदी इज दा बॉस की उपाधियों से भारत के प्रधानमंत्री को नवाजा जाता है। इंग्लैंड जैसे देश आज अर्थव्यवस्था के मामले में भारत से पीछे हैं।

कांग्रेसी आस्था पर कर रहे कुठाराधात

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी बिडला ऑडिटोरियम में स्टूडेंट स्किल्स एनरिचमेंट बोर्ड एवं आईसीएआई की "अनंत्य' सी.ए. कॉफ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस के नेता हिन्दू आस्था पर कुठाराघात कर रहें है। सीता माता देश और दुनिया के करोड़ो लोगों की आस्था का विषय हैं, उनपर अर्नगल बयानबाजी करके कांग्रेस के नेता हिन्दू आस्था पर कुठाराघात कर रहें है। ऐसे नेताओं पर मुख्यमंत्री कठोर कार्यवाही करके दिखाएं। गहलोत सरकार की अकर्मण्यता और इनके मंत्रियों के बैतुके बयानों के कारण ही प्रदेश में महिला अपराधों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। सीपी जोशी ने सी.ए. स्टूडेंट्स को सम्बोधित करते हुए कहा जैसे डॉक्टर बीमारी ठीक करके आदमी को स्वस्थ बनाता है। उसी प्रकार आप लोग अर्थव्यवस्था को ठीक करके देश को मजबूती देने का काम करते हैं, यही कारण है कि जब जीएसटी आया तब प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सी.ए. साथियों से बात की। आप लोगों के महत्वपूर्ण सहयोग से जिस देश ने हमें हमें वर्षों तक गुलाम बनाकर रखा। आज उसे पछाड़कर भारत अर्थव्यवस्था में पांचवें नम्बर पर पहुंच गया है।

पहले जनता को लूटा अब तिजोरी खोली

नमो वॉलंटियर्स प्रदेश कार्यशाला को संबोधित करते हुए सासंद राज्यवर्धन सिह राठौड़ ने कहा कि युवाओं में प्रदेश की गहलोत सरकार के प्रति रोष व्याप्त है। सरकार की नियत सही होती तो इन साढ़े चार सालों में किसानों और युवाओं से धोखा नहीं करती। राजस्थान की गहलोत सरकार ने आम राजस्थानी के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई है। कांग्रेस सरकार ने पहले विधायकों को लूट की खुली छूट दी अब जनता के लिए तिजोरी खोली है। प्रदेश की जनता सब समझ चुकी है, जो अब इन्हे उखाड़कर ही दम लेगी।

जरूरी खबर

बिजलीकर्मी धरने पर, नीति बनाकर ट्रांसफर की मांग

जयपुर। बिजली विभाग में इंटर डिस्कॉम स्थानांतरण नीति बनाए जाने की मांग को लेकर डिस्कॉमकर्मियों का धरना 86वें दिन भी धरना जारी रहा। डिस्कॉम संयुक्त संघर्ष समिति बैनर तले डिस्कॉमकर्मी गांधीनगर विधायक आवास के बाहर 18 अप्रैल से धरना प्रदर्शन कर रहें हैं। समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामकेश मीना ने बताया कि पहले भी वर्तमान सरकार के विधायक, पूर्व विधायक, सांसद और जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री को इंटर डिस्कॉम स्थानांतरण नीति लागू करने के लिए लिखा गया, लेकिन सरकार ने अभी तक बिजली कर्मियों को कोई राहत नहीं दी है। सरकार यदि समयबद्ध स्थानांतरण नीति बनाती है तो एक निश्चित समय बाद बिजली कर्मियों के स्थानांतरण उनके गृह जिलों में हो सकते हैं।

लॉरेंस गैंग के नाम से मांगी 2 करोड़ रुपए की रंगदारी

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में एक कपड़ा व्यापारी का अपहरण करके लॉरेंस गैंग के नाम से 2 करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी लोकेंद्र सिंह उर्फ लक्की को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस शेष आरोपियों की तलाश कर रही है। थानाधिकारी शिव नारायण यादव ने बताया कि सीकर के रामगढ़ निवासी संदीप सिंह, जो खातीपुरा में कपड़े का व्यवसाय करते हैं ने मामला दर्ज कराया था। इस पर पुलिस ने लोकेंद्र को शांतिभंग में गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच की तो सामने आया कि दोनों के बीच आपसी लेन-देन को लेकर झगड़ा था। आरोपी लोकेंद्र सिंह सीकर के रानोली थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसका भाई शक्तिसिंह भी हिस्ट्रीशीटर है। लक्की को हाल ही में करधनी पुलिस ने पकड़ा था। आरोपी लक्की रोहित गोदारा गैंग से जुड़ा हुआ है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने दर्ज कराए बयान, अब पुलिस देगी महापौर समेत अन्य पार्षदों को नोटिस

हेरिटेज नगर निगम महापौर मुनेश गुर्जर की कुर्सी खतरे में!

बेधड़क | जयपुर

भले ही मानसून की बारिश से चारों ओर सर्दी सा एहसास हो गया है, लेकिन हेरिटेज नगर निगम में सावन के महीने में भी गर्माहट ही बनी हुई है। महापौर और अतिरिक्त आयुक्त विवाद को लेकर एक बार फिर से सरगर्मियां तेज हो गई है। पुलिस में महापौर और पार्षदों के खिलाफ मामला दर्ज कराने वाले अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा अब आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं।

महापौर और पार्षदों पर राजकार्य में बाधा और एसटी एससी एक्ट में मामला दर्ज होने

के बाद मामले में आगे बढ़ते हुए अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने पुलिस को अपने बयान दर्ज करा दिए हैं। उन्होंने जांच अधिकारी माणक चौक एसीपी हेमन्त जाखड़ के समक्ष घटना वाले दिन के साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं और सम्पूर्ण घटनाक्रम की जानकारी भी दी है। अतिरिक्त आयुक्त के बयानों के बाद पुलिस मामले में आरोपी बनाई गईं महापौर मुनेश गुर्जर और अन्य पार्षदों को जल्द नोटिस जारी कराएगी। ऐसे में मामला सुलझने के बजाए और उलझता दिखाई दे रहा है और महापौर की कुर्सी पर संकट की आशंका बन रही है। मामले पर गौर करें तो हेरिटेज का मामला भी ग्रेटर जैसा ही बनता जा रहा है। वहां सरकार ने जांच होने तक महापौर को तत्काल निलंबित कर दिया था, लेकिन हेरिटेज में कोई निर्णय नहीं ले पाई है।

आरोप एक साथ, लेकिन कार्रवाई में वर्मा आगे निकले

महापौर और अतिरिक्त आयुक्त के बीच हुए विवाद के बाद से ही दोनों ही पक्ष सरकार और जनता के सामने अपने आप को सही बताने में लग गए थे। राजेन्द्र वर्मा ने महापौर और पार्षदों पर बंधक बनाने और अभद्रता का आरोप लगाया तो महापौर और पार्षदों ने भी वर्मा पर पार्षदों के साथ अभद्रता करने और निगम में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाकर निलम्बित करने की मांग की थी। इस मांग को लेकर वे करीब 7 दिन तक धरने पर बैठे थे, लेकिन दोनों ही पक्षों में कार्रवाई के मामले में अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा आगे निकल गए। उन्होनें ना सिर्फ आरोप लगाया, अपितु सरकार से स्वाकृति लेकर पुलिस में मामला भी दर्ज करा दिया, जबकि महापौर और पार्षद आलाकमान के निर्देश के इंतजार में ही रह गए।

अब तक यूं चला विवाद

- 16 जून: बीट पत्रावली पर साइन नहीं करने पर महापौर के कमरे में शुरू हुआ विवाद, महापौर मुनेश और पार्षद बेठे धरने पर
- 19 जून: भाजपा पार्षदों ने अतिरिक्त आयुक्त के समर्थन में दिया सांकेतिक धरना
- 22 जून: कांग्रेस प्रभारी के आश्वासन के बाद धरना स्थगित
- 28 जून: राजेन्द्र वर्मा आईएएस प्रमोट
- 28 जून: महापौर व अन्य पार्षदों के खिलाफ माणक चौक में मामला दर्ज
- 30 जून: महापौर ने राजेन्द्र वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार की फाइल शांति धारीवाल को सौंपी
- 10 जुलाई: अतिरिक्त आयुक्त ने पुलिस को दिए बयान और साक्ष्य उपलब्ध कराए

> हेरिटेज के अतिरिक्त आयुक्त ने पुलिस को मामले में अपने बयान दर्ज करा दिए हैं। घटनास्थल का दौरा किया है। अब मामले में दूसरे पक्ष को भी जल्द बुलाया जाएगा।
>
> **हेमंत जाखड़,** एसीपी माणक चौक।

> अतिरिक्त आयुक्त की ओर से पुलिस को दिया मामला सिर्फ झूठ का पुलिंदा है। इसकी निष्पक्ष जांच में सच सामने आ जाएगा। हमने हमारी मांग के लिए सरकार को दुबारा लिखा है। पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद हम भी जवाबी कार्रवाई के लिए आलाकमान के निर्देश के इंतजार में हैं।
>
> **असलम फारूकी,** उप महापौर हेरिटेज

पानी की बर्बादी: सड़कों पर बह रहा आसमान से बरसा अमृत

शहर में 250 हार्वेस्टिंग सिस्टम 'इलाज' के अभाव में तोड़ा दम

पानी सहेजने के सिस्टम तो बना दिए लेकिन 'देखभाल' पर अफसर नहीं दे रहे ध्यान

नरेंद्र चतुर्वेदी | बेधड़क

जयपुर। पूरे प्रदेश को मानसून की बारिश तर बतर कर रही है। लगातार हो रही बारिश के बावजूद भी पानी सड़कों पर जमा होकर खराब हो रहा है। कारण, पानी को जमीन में भेजने के लिए शहरभर में बनाए गए 250 वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम साफ-सफाई व देखरेख के अभाव में मिट्टी की मोटी परत के तलछट (सिलटिंग) से दम तोड़ चुके हैं। इनसे जमीन में पानी जा ही नहीं रहा है। हालांकि, जेडीए हार्वेस्टिंग सिस्टम की सफाई के बड़े दावे कर रहा है, लेकिन हकीकत इसके परे है। अधिकारी सिर्फ इनके उपर से कचरे को हटवा कर इतिश्री कर लेता है, लेकिन अंदर जमा प्लास्टिक कचरा और सिलटिंग पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

हर सिस्टम को सुधारने का दावा

जयपुर शहर में जेडीए ने करीब 250 जगहों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाए हैं, लेकिन इनका रख रखाव पर ध्यान नहीं देने से वे सुचारू रूप से काम नहीं कर रहे हैं। हालांकि, मानसून से पहले जेडीए ने 6400 रुपए खर्च कर हर सिस्टम सुधारने का दावा किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये सिस्टम 4-5 सालों में ही मिट्टी की मजबूत परत से दम तोड़ देते हैं। ऐसे में अब छोटे हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने की जरूरत है।

जल संग्रहण सिस्टम बनाने की जरूरत

जयपुर में शहर के बढ़ते आकार में जेडीए की बिल्डिंग बायलॉज में वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर नियम भी बना हुआ है। बड़े बिल्डर भी किसी भी प्रोजेक्ट को बनाने से पहले भू जल दोहन के लिए बोरिंग तो लगवा लेते है, जबकि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना भूल जाते हैं। नियम के मुताबिक 225 वर्ग मीटर से अधिक के निर्माण में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना जरूरी है, जबकि शहर में 225 वर्ग मीटर के मकान बहुत बड़े होते हैं। सरकार को तमिलनाड़ राज्य की तर्ज पर हर मकान पर जल संवर्धन या जल संग्रहण सिस्टम बनाने की जरूरत है।

सड़क किनारे भी बने सिस्टम का रख रखाव जरूरी

सड़क पर बहने वाले बारिश के पानी को भी सहेजना जरूरी है। इसके लिए सड़क किनारे बने हार्वेस्टिंग सिस्टम में बदलाव कर उसे मजबूत करना होगा। उनकी नियमित साफ सफाई करना जरूरी है, ताकि पानी जमीन के अंदर जा सके।

> ये बड़ा चिंतनीय सवाल है कि जिस गति से भूजल को निकाला जा रहा है, उस गति से पानी वापस जमीन में नहीं जाने दिया जा रहा है। आज जिस तरह हम पानी को एक बटन में बाहर खींच लेते हैं, जल को मैकेनिकली अंदर जमीन में डालना भी जरूरी है, नहीं तो जल्द ही इस अमृत के लिए लोग तरसने लग जाएंगे।
>
> **चंद्र शेखर पाराशर,** सेवानिवृत्त अति. मुख्य नगर नियोजक, राजस्थान

जयपुर में झरना!

जयपुर। *राजधानी में दो दिन से लगातार हो रही तेज बारिश से आसपास के पहाड़ों में झरने बहने लगे हैं। इसके चलते इन स्थानों पर पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है। मंगलवार को दिन में हल्का सा मौसम खुला तो लोग जलमहल के सामने स्थित प्रभात जी का खोल पर बह रहे झरने को देखने पहुंच गए। इस दौरान लोगों ने झरने में नहाने का आनंद भी लिया।* ***-फोटो: पंकज शर्मा***

एसएमएस के चिकित्सकों की उपलब्धि

महिला के घुटने, कूल्हे के जोड़ बदले

बेधड़क | जयपुर

राजकीय सवाई मान सिंह अस्पताल के डॉक्टरों ने पिछले छह साल से बिस्तर पर पड़ी एक महिला के दोनों घुटनों और कूल्हे के जोड़ों को सफलतापूर्वक बदल दिया। एसएमएस अस्पताल में यह पहली बार है कि किसी मरीज के चारों जोड़ बदले गए हैं।

गठिया रोग से पीड़ित नागौर निवासी 48 वर्षीय महिला एक कदम भी नहीं चल पाती थी और पिछले छह साल से बिस्तर पर थी। ऑर्थोपेडिक विभाग की

यूनिट-4 के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. रतन लाल दायमा, डॉ. अनुराग धाकड़ और अन्य चिकित्सकों ने उनका ऑपरेशन किया। अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के प्रभारी डॉ अनुराग धाकड़ ने बताया कि उनके दोनों घुटनों को तीन सप्ताह पहले बदला गया था और दोनों कूल्हों के जोड़ों को बदलने के लिए ऑपरेशन सोमवार को किया गया। चार जोड़ों को सफलतापूर्वक बदल दिया गया है और वह अगले कुछ हफ्तों में चलने में सक्षम हो जाएंगी।

जलदाय मंत्री महेश जोशी ने दिए बिना अनुमति ऑफिस नहीं छोड़ने के आदेश

मोबाइल 24 घंटे चालू रखें फील्ड अभियंता

बेधड़क | जयपुर

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने पेयजल आपूर्ति से जुड़ी आमजन की शिकायतों का निस्तारण के लिए फील्ड अभियंता को अपने मोबाइल फोन 24 घंटे चालू रखने के निर्देश दिए हैं। मंत्री जोशी ने ये निर्देश मंगलवार को जयपुर शहर एवं जयपुर जिले की सभी प्रगतिरत पेयजल योजनाओं एवं प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए हैं। उन्होनें कहा कि कोई भी

अधिकारी बिना उच्चाधिकारियों की अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। उन्होंने सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त पानी से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के भी निर्देश दिए और कहा कि अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की रेंडम चेकिंग भी सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रगतिरत योजनाओं को समय पर पूरी कर आमजन को राहत देने के निर्देश दिए। जयपुर शहर में चल रही बड़ी पेयजल योजनाओं खो-नागोरियान, हरमाड़ा एवं पृथ्वीराज नगर आदि की गति बढाने के निर्देश भी दिए। जलदाय मंत्री ने कहा कि बीसलपुर से जयपुर की ट्रांसफर मेन लाइन में लीकेज की स्थिति में कम से कम शट-डाउन लिया जाएं। पाइप लाइन डालने के दौरान खोदी गई सड़कों की मरम्मत समय पर करना सुनिश्चित करें।

आवक घटने से बढ़े भाव, महंगी इतनी हुई कि आम आदमी की पहुंच से दूर

मौसम बिगड़ा तो सब्जियां इतराईं: टशन में टमाटर, अदरक में अकड़ आई

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में टमाटर के भाव जहां 200 रुपए किलो को पार कर गए हैं, वहीं अदरक की बढ़ी कीमतों की वजह से वह आम आदमी की रसोई से बाहर हो गई है। इतना ही नहीं, अधिकतर सब्जियों की कीमत सामान्य से 4 से 5 गुना तक बढ़ गई है।

सब्जियों की कीमतें बढ़ने के बाद से सब्जियों की बिक्री में कमी आई है, वहीं मौसम बिगड़ने के बाद अब और सब्जियों के दाम बढ़ने की आशंका है। बाजार में जहां कीमतें अधिक होने से आम आदमी सब्जियां नाप-तोलकर आवश्यकतानुसार खरीद रहा है, वहीं खुदरा दुकानदार भी मंडी से महंगी सब्जियों की सोच समझकर

खरीददारी कर रहे हैं। मंडी में बढ़ी कीमतों के पीछे मानसूनी बारिश और डिमांड से कम माल की सप्लाई होना बताया जा रहा है। टमाटर जल्द खराब होने और पैदावार घटने के साथ औरंगाबाद और बेंगलुरू से आने वाले टमाटर की खेप कम होने से कीमतें बढ़ी हैं। कई दिनों से लगातार हो रही बारिश में भीगकर भी माल खराब हो रहा है।

बाजार में ठेलों-दुकानों पर सब्जियों के भाव

- अदरक - 400- 450 रुपए किलो
- टमाटर - 200 - 250 रुपए किलो
- धनिया- 130- 150 रुपए
- पालक - 70 से 80 रुपए किलो
- टिन्डे- - 55- 65 रुपए किलो
- खीरा -50 रुपए किलो
- फूल गोभी - 85 रुपए किलो
- मटर - 100 रुपए किलो
- नींबू - 60 - 80 रुपए किलो
- हरी मिर्च- 65 रुपए किलो
- लौकी -60 से 80 रुपए
- भिंडी-65 रुपए किलो

> जबसे मंडी में सब्जियों की कीमतें बढ़ी हैं। आजकल हम भी सोच- समझकर आवश्यकतानुसार ही मंडी से सब्जियां खरीदकर लाते हैं। पहले हम दस हजार की खूब सब्जियां ले आते थे, मगर अब दस हजार में पहले की तुलना में आधी सब्जियां भी नहीं आती। इसके अलावा टमाटर और अदरक तो बहुत सोच- समझकर लानी पड़ती है। सब्जियों की कीमतें घटेंगीं तो हमारा मुनाफा बढ़ेगा और सब्जियों की बिक्री भी बढ़ेगी।
>
> **दीपक सैनी,** सब्जी फुटकर विक्रेता

> सब्जियों के भावों में तेजी का मुख्य कारण मुहाना मंडी में सब्जियों की आवक में कमी है। सब्जियों की डिमांड ज्यादा होने के कारण सब्जियों की सप्लाई पूरी नहीं हो पा रही है तथा भारी बारिश के चलते कई सब्जियों को नुकसान हुआ है। इसके कारण आवक में कमी आई है। मुहाना में सब्जियों की आवक अन्य प्रदेशों से हो रही है। जुलाई के महीने में सब्जियों के भावों में तेजी रहेगी।
>
> **राहुल तंवर,** अध्यक्ष, जयपुर फल सब्जी विक्रेता संघ

बाहरी राज्यों से आ रहा टमाटर

मुहाना सब्जी मंडी में टमाटर बैंगलुरू, महाराष्ट्र के औरंगाबाद और हिमाचल प्रदेश के सोलन से आ रहा है। स्थिति यह है कि वहां भी बारिश के कारण खेतों में पानी भरने से फसल काफी खराब हो गई। इस कारण वहां से आवक में कमी हो गई। दूसरी तरफ प्रदेशभर से टमाटर की आवक एक तरीके से खत्म हो चुकी है। टमाटर की आवक अन्य प्रदेशों से मुहाना मंडी में हो रही है। इसके अलावा अदरक भी बेंगलुरु से आ रही है। अदरक की फसल कमजोर होने से अदरक के दामों में भी काफी तेजी है। इधर, जुलाई महीने में टमाटर समेत कई सब्जियों के दाम और बढ़ेंगे, इसके बाद नै पैदावार के बाद भावों में कमी आने की संभावना है।

जरूरी खबर

202 किलो डोडा-पोस्त जब्त, पुलिस ने तस्कर को धरा

कोटा। जिले की मोड़क थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से 202 किलो डोडा पोस्त बरामद किया है। इसकी कीमत करीब साढ़े सात लाख रुपए बताई गई है। बताया जा रहे कि नशे की ये खेप झालावाड़ के रास्ते तस्करी कर लाई गई थी। इसकी जोधपुर में सप्लाई देनी थी, लेकिन इससे पहले ही यह खेप पुलिस के हाथ लग गई। मोड़क थाना एसएचओ राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि नाकाबंदी के दौरान एक कार को रुकवाया। कार से 202 किलो डोडा पोस्त भरा हुआ था। इस पर रामप्रकाश विश्नोई (30) निवासी गुड़ा थाना विवेक विहार जिला जोधपुर को गिरफ्तार किया। साथ ही एस्कॉर्ट करने वाली कार को भी जब्त किया गया।

भैंस को बचाने नदी में कूदे किसान की डूबने से मौत

प्रतापगढ़। जिले की कर्ममोचिनी नदी में एक किसान की डूबने से मौत हो गई। उसकी तलाश में रेस्क्यू टीम को लगाया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। मंगलवार दोपहर को किसान का शव नदी की सतह पर तैरता मिला। इसके बाद पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। गांव साठपुर के बोरफला निवासी भेरिया (37) सोमवार सुबह भैंस चराने के लिए नदी किनारे गया था। इस दौरान बरसात होने से नदी का पानी बढ़ गया। तेज बहाव के कारण किनारे पर खड़ी भैंस भी चपेट में आ गई। भैंस को बचाने के लिए भेरिया नदी में कूद गया। भैंस तो तैर कर बाहर आ गई, लेकिन भेरिया डूब गया।

जिला देहात अध्यक्ष बनने पर भानुप्रताप का किया स्वागत

कोटा। जिला देहात कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर मंगलवार को कार्यकर्ताओं ने भानुप्रताप सिंह का उनके आवास पर मुंह मीठा करा अभिनंदन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता और भानुप्रताप समर्थकों ने आतिशबाजी कर खुशी जताई। कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर उनका स्वागत किया। इससे पहले भानुप्रताप सिंह ने कोटा पहुंचकर विधायक भरत सिंह कुंदनपुर, लाडपुरा प्रधान नईमुद्दीन गुड्डू, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष पंकज मेहता, कांग्रेस प्रदेश महासचिव राखी गौतम से मुलाकात की।

ब्रह्माकुमारी मुख्यालय में आयोजित समाजसेवा प्रभाग के चार दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

समाजसेवा के दायित्वों को साकार करने का लिया संकल्प

बेधड़क | माउंट आबू

ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में समाजसेवा प्रभाग के बैनरतले चार दिन से चल रहे समाज सेवकों के अखिल भारतीय सम्मेलन का मंगलवार को समापन हुआ। इस दौरान विभिन्न विषयों पर संवाद हुआ और सामाजिक सेवाओं में दायित्वों को धरातल पर लाने का संकल्प लिया गया।

इस मौके पर गुजरात भुज से आए जेसी क्लब अध्यक्ष विनोद एल. चौहान ने कहा कि सामाजिक त्रुटियों को दूर करने के लिए समाजसेवकों को एकजुट होकर

अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। समाजसेवा प्रभाग उपाध्यक्ष प्रेम सिंह ने जीवन में दिव्यगुणों के समावेश पर जोर दिया। राजयोगिनी बीके शीलू बहिन ने कहा कि दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझने से ही समाजसेवा फलीभूत होती है। सतीश चाकोटे ने कहा कि मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने से ही कर्मों में कुशलता आती है। ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने का कार्य किया जा रहा है।

संसार एक परिवार की तरह

महाराष्ट्र कोल्हापुर से आए प्रख्यात समाजसेवी जयराम जगवानी ने कहा कि संसार एक परिवार की तरह है, ऐसी सच्ची शिक्षा ब्रह्माकुमारी संगठन में जो दी जा रही है। इसके परिणामस्वरूप आज विश्व में पुरानत भारतीय संस्कृति की रोशनी से मानव मूल्यों की जागृति बढ़ती जा रही है। प्रभाग की राजस्थान जोन की अतिरिक्त संयोजिका विजया बहन डूंगरपुर ने चार दिन तक चले सम्मेलन का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मंच का कुशल संचालन किया।

उजड़ी हरियाली को फिर से करेंगे आबाद

बेधड़क | माउंट आबू

पिछले दिनों देश में आए बिपरजॉय तूफान के असर से माउंटआबू में बड़ी संख्या में पेड़ धराशायी हो गए। इसके चलते इस क्षेत्र में हरियाली को नुकसान हुआ।

इसको लेकर अब आबूवासियों ने फिर से हरियाली को आबाद करने के लिए कमर कस ली है। पर्यावरण को हुई हानि की भरपाई के प्रयास को लेकर पत्रकारों के आह्वान पर आमजन ने पौधारोपण किया। मंगलवार को अशोक वाटिका में

आयोजित इस कार्यक्रम में 80 से 100 लोगों ने कचनार, जामुन, गुलमोहर, गुडवेल आदि के पौधे लगाए। इस मौके पर पालिकाध्यक्ष जीतू राणा, आयुक्त रामकिशोर, जमादार तरुण कोरी, कर्मचारी संजय गोगले का सहयोग रहा।

निशुल्क हुआ पौधों का वितरण

अशोक वाटिका में आयोजित कार्यक्रम के बाद वन विभाग के सहयोग से पौधों को अम्बेडकर सर्किल पर लाया गया और पत्रकारों ने आमजन को पौधे निशुल्क वितरित किए। इस दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी गजेंद्र सिंह पंवार, वनपाल मोहनराम, पालिका उपाध्यक्ष रणजीत बनोधा सहित पत्रकारबंधु मौजूद रहे।

केस ऑफिसर स्कीम के तहत हुई मामले की सुनवाई

SHO व कांस्टेबल के 7 हत्यारों को मिला आजीवन कारावास

बेधड़क | सीकर

जिले के थाना कोतवाली फतेहपुर एसएचओ मुकेश कुमार कानूनगो और कांस्टेबल रामप्रकाश की करीब पौने 3 साल पहले गोली मार कर हत्या करने के मामले में मंगलवार को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश फतेहपुर शेखावाटी ने सात आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई है।

मामले की पैरवी अपर लोक अभियोजक रामचंद्र माहिचा ने की, जबकि केस ऑफिसर सीओ फतेहपुर राजेश कुमार रहे। इस मामले के अनुसार 6 अक्टूबर 2018 की रात करीब 11:30 बजे एसएचओ मुकेश कुमार कानूनगो, कांस्टेबल रामप्रकाश, रमेश तथा सांवरमल बदमाश अजय चौधरी और जगदीप उर्फ धनकड़ के बारे में सूचना मिलने पर उनकी धर-पकड़ के लिए निकले।

उदंनसर स्टैंड से करीब 2 किलोमीटर पहले उन्होंने एक बोलेरो कार को रोका। कार में सवार अजय चौधरी, जगदीप, दिनेश आचार्य उर्फ लारा निवासी फतेहपुर, ओमप्रकाश उर्फ ओपी निवासी जलालसर तथा तीन-चार अन्य व्यक्ति बाहर निकले।

फैसले के बाद रैली के रूप में न्यायालय से थाने पहुंचे पुलिसकर्मी

कोर्ट ने इन आरोपियों को सुनाई सजा

अजय चौधरी (22) पुत्र रामकुमार निवासी वार्ड नंबर 2 थाना कोतवाली फतेहपुर, दिनेश कुमार उर्फ लारा (23) पुत्र ओमप्रकाश आचार्य निवासी आचार्यों का मोहल्ला थाना कोतवाली फतेहपुर, जगदीप उर्फ धनकड़ (24) पुत्र शीशपाल निवासी खांजी का बास थाना सदर फतेहपुर, ओम प्रकाश उर्फ ओपी (23) पुत्र सोहनलाल निवासी जलालसर थाना सदर फतेहपुर, रामपाल (24) पुत्र गिरधारी लाल निवासी सुरजन पुरा थाना उदयपुरवाटी जिला झुंझुनू, अनुज उर्फ छोटा पांड्या उर्फ लोढया (24) पुत्र बलवंत जाट निवासी भादडवास हाल थाना फतेहपुर सदर और आमिर (26) पुत्र खान मोहम्मद निवासी चूड़ीमियां थाना बारा जिला सीकर को सजा सुनाई गई।

इसके बाद आरोपी अजय चौधरी ने एसएचओ मुकेश कानूनगो और जगदीप ने कांस्टेबल रामप्रकाश को गोली मार दी और बाकी बदमाशों ने पुलिस जाप्ते पर फायरिंग कर दी। आईजी रेंज जयपुर के निर्देश पर तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन आरोपियों को शरण देने और भागने में मदद करने वाले आरोपियों पर भी लगातार कार्रवाई की। इसमें कैलाश नागौरी, बलवीर सिंह, किरण पाल उर्फ मनीष, संजय कुमार धींवा, दिनेश कुमार जाट, विजेंद्र सिंह, अमित कुमार, राजू उर्फ राजेंद्र नैण, हंसराज यादव, सुरेंद्र कुमार, कुलदीप चाहर, सुगना देवी, सुमित्रा उर्फ सुमन को गिरफ्तार किया। पुलिस ने अनुसंधान के बाद सभी 20 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया।

थाने में दोनों शहीदों को दी श्रद्धांजलि

इस मामले में फैसला होने के बाद सभी पुलिसकर्मी न्यायालय से मौन जुलूस के रूप में थाना कोतवाली फतेहपुर पहुंचे। यहां दिवंगत एसएचओ मुकेश कानूनगो और कांस्टेबल रामप्रकाश के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जानकारी के अनुसार सीओ फतेहपुर राजेश कुमार को केस ऑफिसर व नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया था। केस ऑफिसर द्वारा अभियोजन पक्ष में कुल 121 गवाहों के बयान करवाए। आरोपियों की ओर से जमानत के लिए पेश की गई याचिकाओं के संबंध में राजकीय अधिवक्ता के मार्फत कोर्ट में पेश होकर जमानत याचिकाएं खारिज करवाई गई। मंगलवार को कोर्ट की ओर से सात आरोपियों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

आरटीडीसी चेयरमैन ने ली बैठक

कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल होंगे अजमेर के सैंकड़ों कार्यकर्ता

बेधड़क | अजमेर

आरटीडीसी होटल खादिम में मंगलवार को राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने 12 जुलाई को जयपुर के शहीद स्मारक पर होने वाले कांग्रेस के मौन प्रदर्शन के लिए कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

इस दौरान उन्होंने कहा कि बुधवार, 12 जुलाई को जयपुर में सुबह 10 से 5 शाम बजे तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद राहुल गांधी के समर्थन में काली पट्टी बांधकर मौन प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा भी शामिल होंगे। इसके अलावा पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी व वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। निगम अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रदर्शन में हम सभी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन में ले जाने पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि जयपुर मौन प्रदर्शन में अजमेर का प्रतिनिधित्व दिखना चाहिए। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राठौड़ ने कहा कि हम सबको मिलकर राहुल गांधी के हाथ मजबूत करने हैं। उन्होंने कहा दिल्ली से लेकर जयपुर तक कांग्रेस एकजुट है। इसलिए अब हम सब को एकजुट होकर काम करना है और पार्टी को मजबूत करना है। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए सभी कार्यकर्ता विजयलक्ष्मी पार्क अजमेर से वाहनों के साथ जयपुर के लिए रवाना होंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आईजी कार्यालय के बाहर किया विरोध-प्रदर्शन

अपराधों के विरोध में निकाली वाहन रैली

बेधड़क | कोटा

शहर में बढ़ते अपराधों के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री विकास शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को वाहन रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। वाहन रैली को नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में बड़ी संख्या में चौपहिया और दो पहिया वाहन पर सवार होकर कार्यकर्ता शामिल हुए। इससे पूर्व प्रमुख भाजपा नेता घटोत्कच सर्किल पर एकत्रित हुए। यहां से वाहर रैली सम्राट चौराहा, तलवंडी

चौराहा, केशवपुरा चौराहा, तीन बत्ती तिराहा, दादाबाड़ी छोटा चौराहा, दादाबाड़ी सर्किल से होते हुए सीएडी सर्किल स्थित आईजी कार्यालय पहुंची। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारे लिखी तख्तियां हाथों में ले रखी थी। कार्यकर्ताओं ने आईजी कार्यालय के मुख्यद्वार पर जमकर नारेबाजी की। इसके बाद प्रतिनिधि मण्डल ने आईजी को ज्ञापन सौंपा।

इसमें कहा गया कि शहर में लगातार आपराधिक घटनाओं में वृद्धि हो रही है। रोजाना चेन स्नैचिंग, पर्स चोरी, चाकूबाजी, नकबजनी और गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। कई घटनाओं में तो अपराधियों ने वारदात करने के बाद उसके वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिए।

इससे पहले भाजपा शहर अध्यक्ष रामबाबू सोनी, जिला महामंत्री जगदीश जिंदल, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुदर्शन गौतम, कोटा देहात जिला महामंत्री योगेंद्र नंदवाना, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अनुसुइया गोस्वामी समेत कई लोगों ने संबोधित किया।

बिजनेस में तरक्की होने की मांगी थी मन्नत

तीन भक्तों ने सांवरिया सेठ को भेंट किया सवा किलो चांदी का स्कूटर

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

मेवाड़ के आराध्य देव भगवान सांवरिया सेठ के दरबार में मन्नत पूरी होने पर भक्त उन्हें अलग-अलग उपहार भेंट करते हैं। ऐसे ही कुछ भक्तों ने मन्नत पूरी होने पर सांवरिया सेठ को चांदी का स्कूटर भेंट किया है।

उन्होंने ने बिजनेस में तरक्की होने की कन्नत मांगी थी। मन्नत पूरी होने पर तीन भक्तों मिलकर 1 किलो 119 ग्राम चांदी का इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर ठाकुरजी को भेंट किया। मंदिर मंडल के

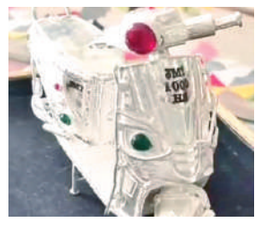

प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि भक्तों का मंदिर मंडल की ओर से ऊपरना ओढ़ाकर स्वागत किया गया। हालांकि इन भक्तों ने अपने नाम गुप्त रखने को कहा है, लेकिन उन्होंने बताया कि वे खुद भी इलेक्ट्रिक स्कूटर के व्यवसाय से जुड़े हैं। उन्होंने भगवान सांवरिया सेठ से बिजनेस में तरक्की होने की मन्नत मांगी थी। इस साल उनका बिजनेस बहुत अच्छा चला।

इस कारण उन्होंने सांवरिया सेठ को अनूठा उपहार भेंट करने का मन में संकल्प लिया। इसके बाद मन में जो प्रेरणा मिली उसके अनुसार 1 किलो 119 ग्राम चांदी से निर्मित इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर का मॉडल तैयार करवाया। स्कूटर के साथ एक अंगूठी भी भेंट की गई।

कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

जोधपुर में फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में लगी आग

बेधड़क | जोधपुर

सनसिटी जोधपुर में मंगलवार सुबह आग लगने की एक बड़ी घटना सामने आई। चौपासनी रोड पर बॉम्बे मोटर के पास केपी टावर को भीषण आग की लपटों ने घेर लिया। इसके चलते इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल आग से बुरी तरह प्रभावित हुई।

गौरतलब है कि इसी इमारत के भूतल पर एक निजी बैंक का भी कार्यालय है। आग लगने की घटना के बाद अलसुबह से ही दमकलों की मदद से आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास शुरू किया गया। हाईराइज फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर पानी छिड़कने का काम करीब 4 घंटे तक जारी रहा।

गनीमत रही टावर में बंद थे सभी ऑफिस

जिले के केपी टावर में ज्यादातर ऑफिसों का संचालन होता है, लेकिन गनीमत सुबह का वक्त होने के कारण अिधकांश ऑफिस बंद थे। इससे कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने की सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन को अपने सुपरविजन में करवाया। ऐहतियातन आखलिया चौराहे से बॉम्बे मोटर तक का रास्ता बंद कर दिया गया। एसीपी प्रतापनगर अशोक आंजना के मुताबिक यह मंगलवार सुबह करीब 5 बजे लगी। जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर दोपहर तक पूरी तरह से काबू पा लिया गया।

फिलहाल नुकसान का आंकलन नहीं

इस अग्निकांड कांड में कितना सुकसान हुआ है फिलहाल इसका आंकलन नहीं हो पाया है। हालांकि पुलिस की जांच पड़ताल जारी है। इसके बाद नुकसान का सही पता चल पाएगा। उधर बिल्डिंग काफी उंची होने की वजह से दमकल की टीम को आग पर काबू पाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

नदी में बुजुर्ग बाइक सहित बहा, सरपंच ने बचाया

बेधड़क | राजसमंद

जिले में मंगलवार को गोमती नदी के बहाव मे बाइक सहित एक बुजुर्ग व्यक्ति बह गया। इसके बाद मौके पर खड़े गांव के सरपचं ने बाइक सवार को सुरिक्षत रूप से बाहर निकाल दिया। वहीं बाइक को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार राजसमंद में केलवा क्षेत्र से गुजर रही गोमती नदी में खटामला पंचायत के बागुन्दडा पुल पर मंगलवार को सुबह 10 बजे बाइक सवार बुजुर्ग काई जमा होने से फिसल कर नदी में बहने लगा। वहां मौजूद सरपंच हिम्मत सिंह चुंडावत नदी में लोगों को सावधानी बरतने के प्रति जागरुक कर रहे थे। इस दौरान सरपंच हिम्मत सिंह की नजर बाइक

सवार पर पड़ी जो नदी में बहने लगा। इस दौरान सरपंच हिम्मत सिंह अपनी जान की परवाह किए बगैर नदी में कूद पड़े और तत्परता से बुजुर्ग को बाहर निकाला।

बाद में ग्रामीणों की मदद से बाइक को भी नदी से बाहर निकाल लिया गया। सरपंच के इस कार्य के लिए सभी ग्रामीणों ने बहादुरी की तारीफ की।

इनीशिएटिव: ब्रह्माकुमारीज की ओर से कार्यक्रम श्रृंखला की हुई शुरुआत

NCC कैडेट्स ने सीखी मानसिक मजबूती की आध्यात्मिक तकनीक

बेधड़क | जयपुर

अपने कड़े अनुशासन और देशभक्ति के लिए जाने जाने वाले एनसीसी कैडेट्स ने मंगलवार को मानसिक मजबूती के गुर सीखे। मौका था ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन वैशाली नगर के प्रभुनिधि सभागार में एनसीसी केडेट्स के लिए आयोजित किए जाने वाले सेल्फ एंपावरमेंट, लीडरशिप एंड टीम बिल्डिंग कार्यक्रमों की श्रृंखला के उद्घाटन का।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से इन कार्यक्रमों के तहत राजयोग एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण के जरिए कैडेट्स को मूल्यों के प्रति सजग कर देश का आंतरिक तौर पर मजबूत प्रहरी बनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एयर कमोडोर एलके जैन ने बताया की ब्रह्माकुमारीज एवं एनसीसी के सिद्धांत एक जैसे हैं। जिस प्रकार यह संस्था आध्यात्मिकता द्वारा अनुशासन के लिए प्रेरित करती है, उसी प्रकार एनसीसी भी अपने कैडेट्स में अनुशासन को कूट कूट कर भरता है।

लन्दन से आईं बीके गोपी ने कैडेट्स को विभिन्न एक्टिविटीज के जरिए बताया कि साइलेंस एक ऐसी शक्ति है जो मन को संतुलित कर हर विपरीत परिस्थिति का हल निकालने में मदद करती है। कार्यक्रम में भारतीय सेना के अफसरों सहित 300 केडेट्स ने हिस्सा लिया।

व्यवस्थित व अनुशासित जीवन शैली जरूरी

ब्रह्माकुमारीज जयपुर की उप क्षेत्रीय संचालिका बीके सुषमा दीदी ने बताया कि व्यवस्थित जीवनशैली वाला कैडेट ही प्रेरणास्त्रोत बन सकता है। भारतीय सेना के कर्नल बी सी सती ने कैडेट्स में जोश भरते हुए विपरीत परिस्थितियों को मेडिटेशन की मदद से पार करने के अपने अनुभव बताए। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चंद्रकला दीदी ने बताया कि एनसीसी कैंपस जयपुर में कैडेट्स के लिए समय समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

Yuva स्टोरीज

हुनरबाजों ने दिखाया हुनर |

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी के जूलॉजी विभाग में राष्ट्रीय कला मंच की ओर से मंगलवार को आयोजित कल्चरल इवेंट 'हुनरबाज' में स्टूडेंट्स ने अपने लाजवाब हुनर का प्रदर्शन किया। इस दौरान आयोजित डांस, संगीत, कविता पाठ जैसी एक्टिविटीज में स्टूडेंट्स ने शानदार परफोमेंसेज दी जिसे दर्शकों के रूप में मौजूद सैकड़ों स्टूडेंट्स ने जमकर इंजॉय किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कला मंच प्रान्त छात्रा प्रमुख प्रो. हेमलता शर्मा व प्रान्त मंत्री शौर्य जैमन रहे। इकाई कार्यकारिणी नेहा यादव व अक्षिता अवस्थी सहित बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स कार्यक्रम में शामिल हुए। म्यूजिक में अलीना भारती, डांस में गार्गी शर्मा और कविता पाठ में मोनिका शर्मा ने प्रथम पुरस्कार जीता।

'आरम्भ' में कॉलेज कल्चर समझेंगे नए स्टूडेंट्स |

जयपुर। जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में नव प्रवेशित फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स के लिए बारह दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम 'आरम्भ' की शुरुआत 24 जुलाई से होगी। यूनिवर्सिटी में ऑन-कैंपस होने वाले इस कार्यक्रम के पहले दिन यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर एचपी सिंघानिया, वीसी प्रो. धीरज सांघी, प्रो. आशीष गुप्ता एवं डायरेक्टर्स स्टूडेंट्स से रूबरू होंगे। इस दौरान वे यूनिवर्सिटी के बारे में स्टूडेंट्स को विस्तार से जानकारी देंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियां अलग-अलग सेशन्स में स्टूडेंट्स से इंटरेक्शन करेंगे। कार्यक्रम में होने वाले विभिन्न सेशन्स में स्टूडेंट्स को कॉलेज कल्चर जानने का मौका मिलेगा। इस दौरान मूवी स्क्रीनिंग, डांस इवेंट, मनीष फ्रीमैन का आइस ब्रेकिंग सेशन, रंग मस्ताने का ड्रामा वर्कशॉप, गाला म्यूजिकल नाइट समेत विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होंगे। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. धीरज सांघी ने बताया कि ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स को यूनिवर्सिटी से संबंधित विभिन्न सेल, फैकल्टी, एलुमिनी, प्लेसमेंट, कल्चर, ग्लोबल टाई-अप, कॅरिकुलम, फिजिकल एक्टिविटी समेत तमाम जानकारियों से अवगत करवाई जाएगी। अरेंजमेंट्स के लिए स्टूडेंट अफेयर्स हेड दीपक सोगानी के निर्देशन मे सभी कार्यक्रमों के लिए 55 से ज्यादा स्टूडेंट्स की टीम तैयार की गई।

अक्षय हाड़ा बने इकाई अध्यक्ष |

जयपुर। जयपुर शहर के प्रहलादपुरा इलाके मे लघु उद्योग भारती की नयी इकाई का गठन मंगलवार को हुआ। इस अवसर पर सर्वसम्मति से इकाई अध्यक्ष अक्षय हाड़ा को एवं सचिव ललित आहूजा को मनोनीत किया गया। अक्षय इंफ्रासिस इंडस्ट्रीज के प्रांगण में हुए कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश मित्तल ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के जयपुर अंचल अध्यक्ष सुधीर गर्ग, सीतापुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अध्यक्ष निलेश अग्रवाल और संरक्षक सुभद्र पापड़ीवाल समेत विभिन्न एसोसिएशनों के सदस्य व निवेशक उपस्थित रहे। अक्षय हाड़ा ने अधिक से अधिक औद्योगिक इकाइयों को लघु उद्योग भारती मे जोड़कर बेहतर दिशा में काम करने की बात कही। कार्यक्रम संयोजन ललित आहूजा ने किया।

सीए छात्रों की दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस शुरू

नॉलेज और नेटवर्किंग का परफेक्ट पैकेज बना 'अनंत्य'

बेधड़क | जयपुर

अपने प्रोफेशन से जुड़ी जानकारियों को सहेजने की ललक, देश-दुनिया में काम कर रहे दूसरे प्रोफेशनल्स के साथ मेल-मिलाप का उत्साह और काम की एकरसता से दूर अपने हुनर को मंच देने की खुशी। ये सब मनोभाव मंगलवार को एक साथ बिड़ला ऑडिटोरियम में साकार हो गए। मौका था भारतीय सीए संस्थान की जयपुर शाखा की ओर से आयोजित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस 'अनंत्य' के पहले दिन का। सीए छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमताएं विकसित करने का अवसर देने के लिए कॉन्फ्रेंस की शुरूआत बिड़ला ऑडिटोरियम में हुई। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। उन्होंने सीए छात्रों को राष्ट्र के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दीं। जोशी ने सीए संस्थान को इस सफल कार्यक्रम के लिए बधाई भी दी।

कॉन्फ्रेंस डायरेक्टर सीए प्रकाश शर्मा ने बताया कि हर वर्ष यह सीए छात्रों के लिए ये महाकुम्भ विभिन्न शहरों में आयोजित किए जाते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य सीए छात्रों को उच्च व्यावसायिक और नैतिक मानकों के संबंध में जागरूक करना एवं उन्हें वित्तीय लेखांकन, कर, वित्तीय प्रबंधन जैसे मुख्य विषयों का नवीनतम ज्ञान प्रदान करना होता है।

टैक्नो-मोटिवेशन सत्रों में बही ज्ञान की गंगा

जयपुर शाखा के अध्यक्ष सीए विष्णु अग्रवाल और सचिव सीए अंकुर गुप्ता ने कॉन्फ्रेंस में देश भर से आए सीए छात्रों को नवीन पाठ्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने इस दौरान छात्रों के सवालों के उत्तर देते हुए उनके संदेहों को दूर किया। कॉन्फ्रेंस के दौरान सीए छात्रों को संगठनात्मक योजना, तकनीकी महारत और मोटिवेशनल सत्रों के माध्यम से दिशा और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विभिन्न सत्रों के दौरान छात्रों ने जहां टेक्नीकल टर्म्स को समझा वहीं अपने कॅरियर को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए मोटिवेट भी हुए। अपने कॅरियर में उच्चतम मानकों को स्थापित करने के लिए प्रयासरत सीए छात्रों ने वरिष्ठ विशेषज्ञों से चर्चा कर प्रोफेशनली ग्रो करने की गणित समझी। इसके साथ ही छात्रों को व्यावसायिक नेटवर्किंग का भी अवसर मिला जो नए अवसरों की पहचान करने में उनके लिए सहायक होगा।

कल्चरल ईवनिंग में छाया उल्लास

कॉन्फ्रेंस के दौरान दिनभर के प्रोफेशनल शेड्यूल के बाद शाम को कल्चरल ईवनिंग का आयोजन किया गया। कल्चरल ईवनिंग में सीए छात्रों का विशेष उत्साह व उल्लास देखने को मिला। आमतौर पर बही-खातों के अंकों में उलझे रहने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने इस दौरान लाइव संगीत बैंड व अन्य रंगारंग प्रस्तुतियां दी जिनका ऑडियंस के रूप में मौजूद छात्रों ने भरपूर आनंद लिया। जयपुर शाखा के सीकासा अध्यक्ष सीए विकास यादव ने बताया की कॉन्फ्रेंस में पहली बार सीए छात्रों का उत्साह देखते हुए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

वर्ल्ड पॉपुलेशन डे पर कार्यक्रम

बच्चों ने दिया जनसंख्या नियंत्रण का संदेश

बेधड़क | जयपुर

प्रतापनगर स्थित रावत पब्लिक स्कूल के स्टूडेंट्स ने 'वर्ल्ड पॉपुलेशन डे' के अवसर पर पॉपुलेशन फिगर बनाकर बढ़ती जनसंख्या के नुकसान बताए। इस अवसर स्कूल की प्रेयर असेंबली में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़ती जनसंख्या से जुड़े सभी आयामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बढ़ती जनसंख्या से संबंधित विभिन्न स्लोगन बनाए। स्कूल के 7वीं और 8वीं के स्टूडेंट्स ने पॉपुलेशन डिजिट 8 बिलियन बनाया। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि बढ़ती जनसंख्या के कारण हमारे संसाधनों का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने स्टूडेंट्स के इस रचनात्मक प्रयास की सराहना की और बताया कि विद्यालय में विद्यार्थी शिक्षको के मार्गदर्शन में रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न विधाओं को सीख रहे हैं। विद्यालय की प्राचार्या मैत्रेयी शुक्ला ने बताया कि विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल लर्निंग के माध्यम से सिखाना ही विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है।

फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. संजय गर्ग सम्मानित

जयपुर। फिजिकल एजूकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया और बीएलके मैक्स हॉस्पिटल के सयुंक्त तत्वाधान में आयोजित स्पोर्ट इंजरी कॉन्क्लेव में न्यूरो फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. संजय गर्ग को सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कॉन्क्लेव में डॉ. गर्ग को चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशंसा पत्र दिया गया। इस दौरान आयोजित कॉन्फ्रेंस में डॉ. गर्ग ने खेल कूद के दौरान लगने वाली चोटों को ठीक करने में फिजियोथेरेपी के उपयोग पर प्रकाश डाला।

डॉ. संजय गर्ग वर्तमान में मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में फिजियोथेरेपी विभाग अधिकारी पद पर कार्यरत हैं। कॉन्क्लेव में डॉ. जितेंद्र अग्रवाल, डॉ. विकास सविता, डॉ. अभिषेक यादव, डॉ. शिवानी कामरा आदि मौजूद थे।

अचीवमेंट चार स्टूडेंट्स ने जीते गोल्ड मेडल, भारत पदक तालिका में शीर्ष पर

इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलम्पियाड में छाया हमारा टैलेंट

बेधड़क | जयपुर

इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड-2023 में भारतीय छात्रों ने इतिहास रच दिया है। 3 से 11 जुलाई तक संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में आयोजित हुए 34वें आईबीओ में भारत के चार स्टूडेंट्स ने गोल्ड मेडल जीते हैं। इन मेडल्स के आधार भारत आईबीओ की पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर रहा है।

भारत को आईबीओ की पदक तालिका में शीर्ष पर रहने की उपलब्धि पहली बार मिली है। इसके साथ ही हमारे देश के ओलम्पियाड में शामिल सभी स्टूडेंट्स ने गोल्ड मेडल जीता हो, यह भी पहली बार हुआ है। आईबीओ में गोल्ड मेडल जीतने वाले स्टूडेंट्स बेंगलुरु के ध्रुव आडवाणी, कोटा के ईशान पेडणेकर, जालना महाराष्ट्र के मेघ छाबड़ा और रिसाली छत्तीसगढ़ के रोहित पांडा हैं। इनके साथ लीडर्स के रूप में दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर मदन एम चतुर्वेदी, एचबीसीएसई टीआईएफआर से डॉ. अनुपमा रोनाड व दो वैज्ञानिक पर्यवेक्षक डॉ. वी वी बिनॉय और डॉ. रामबहादुर सुबेदी आईबीओ के लिए अल ऐन गए हैं। गौरतलब है कि आईबीओ पांच चरणों में आयोजित किया जाता है। जिसमें पहले चरण एनएसईबी के बाद दूसरा चरण आईएनबीओ होता है। तीसरे चरण ओसीएससी में प्रदर्शन के आधार पर आईबीओ के लिए चयन होता है।

तीन स्टूडेंट्स का कोटा कनेक्शन

ईशान पेडणेकर *मेघ छाबड़ा* *रोहित पांडा*

आईबीओ में गोल्ड मेडल जीतने वाले चार स्टूडेंट्स में से तीन स्टूडेंट कोटा से पढ़ाई कर रहे हैं। ईशान पेडणेकर, मेघ छाबड़ा और रोहित पांडा कोटा में एलन इंस्टीट्यूट से पढ़ाई कर रहे हैं। इंस्टीट्यूट चेयरमैन डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि मेघ छाबड़ा व रोहित पांडा 12वीं के व ईशान पेडणेकर 11वीं कक्षा के स्टूडेंट हैं।

76 देश, 293 स्टूडेंट, 29 गोल्ड

इस वर्ष आईबीओ में 76 देशों ने भाग लिया। इन देशों के 293 स्टूडेंट्स प्रतियोगिता के अंतिम चरण तक पहुंचे। आईबीओ में कुल 29 गोल्ड मेडल्स दिए गए हैं। भारत के अलावा सिंगापुर के भी चार स्टूडेंट्स ने गोल्ड मेडल जीते हैं। इससे पहले भारत खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, भौतिकी और जूनियर साइंस ओलम्पियाड में पदक तालिका में शीर्ष पर रहा है।

व्यर्थ न बहे बरसाती पानी, जलसमृद्ध बनें हम

पाणी के लिए हो पाणीदार पहल

गजानन्द शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान में सुरंगी रुत इस साल समय से पहले ही आ गई। पहले तूफान बिपरजॉय और फिर मानसून की धमक-मूसलाधार बारिश से प्रदेश का कोना-कोना तर-ब-तर हो रहा है। बिपरजॉय के असर से भी राजस्थान में आषाढ़ माह में भी बादल सावन-भादों की तरह बरसे। मानसून ने भी आने में देर नहीं की। एक दो दिन पहले ही पहुंच गया और अब पूरे प्रदेश में झमाझम जारी है। राजस्थान में तो कहा भी जाता रहा है- मेह तो बरस्यो भलो, होणी हो सो होय। यानी बारिश का तो होना ही अच्छा है, फिर भले ही कुछ भी हो। चाहे नुकसान हो जाए। यह कहावत संभवतः तब बनी होगी जब राजस्थान के एक बहुत बड़े भूभाग में बारिश की सदा ही उडीक बनी रहती थी। बादल बरसेंगे तो कम से कम पेयजल का संकट तो नहीं रहेगा, लेकिन अब यह परिदृश्य बदल रहा है। बादल भी बरस रहे हैं और सदियों से प्यासे रेतीले धोरों में नहरों से पानी पहुंच रहा है।

आजादी के बाद राजस्थान में जिस क्षेत्र में बहबूदी आई उसमें से एक पानी का क्षेत्र भी है। चंबल परियोजना और इंदिरा गांधी नहर ने हमारी जल-कंगाली काफी हद तक दूर कर दी, लेकिन हमने धरती को इतना निचोड़ा है कि प्रदेश का एक बहुत बड़ा भूभाग डार्क जोन में आ गया है या आने के कगार पर है। हाल के वर्षों में साल दर साल बादल अच्छे से बरस रहे हैं, फिर भी हम भूजल के मामले में कंगाल होते जा रहे हैं और इसको दूर करने के लिए किए जा रहे उपाय कोई सार्थक बदलाव नहीं ला सके हैं। जल संचय का हमारा परम्परागत कौशल और संस्कार अब लगभग समाप्त हो गए हैं। इसका नतीजा है कि कई बरसाती नदियां नाला बन गई हैं और अनेक नाले व तालाब अपना अस्तित्व खो चुके हैं। बारिश का पानी व्यर्थ बह जाता है। जयपुर का उदाहरण हमारे सामने है। सावन कितना ही झूमकर आए रामगढ़ बांध प्यासा ही रहता है। छलकना तो दूर पैंदा भी पूरा सा गीला नहीं होता। जबकि करीब चार दशक पहले इसी रामगढ़ बांध में एशियाई खेलों की नौकायन प्रतियोगिता हुई थी। अब वही बांध सूखा पड़ा है और शहर बीसलपुर का पानी पी रहा है।

जबकि एक समय ऐसा भी था जब रामगढ़ बांध आधे से अधिक जयपुर शहर की प्यास बुझाता था। आज उसकी स्थिति घर का जोगी जोगणा, आन गांव का सिद्ध वाली हो रही है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं, रियासत काल में जयपुर शहर और आसपास बरसे पानी की हर बूंद किसी न किसी जलस्रोत में जाती थी। तालकटोरा, जलमहल, और आसपास के अन्य तालाबों में शहर व आसपास का पानी पहुंचता जिनसे न कुओं में पानी की कमी रहती और ना तालाबों में। लेकिन अब या तो तालाब सूखे रह जाते हैं या उनमें गंदे नालों का पानी पहुंचता है। जबकि एक दो इंच बारिश में शहर त्राहिमाम-त्राहिमाम कर उठता है। बरसाती पानी को निकास का रास्ता नहीं मिलता और जगह-जगह जल भराव हो जाता है। बारिश थमने के बाद शहर के हालात सामान्य होने में दो-तीन घंटे लग जाते हैं।

यही हाल राज्य के अन्य शहरों का भी है। जहां के कई जलस्रोत खासकर तालाब गंदे पानी के पोखर बनकर रह गए हैं। सावन कितना ही झूम के बरसे, लेकिन पर्यटन का केंद्र बनी दो-चार नामी झीलों को छोड़ दें अन्य कई नदियां, तालाब, बांध पानी को तरसते रह जाते हैं। बारिश के अकूत पानी का यदि एक साल भी पूरी तरह संग्रह हो जाए तो संभव है, अगले दो चार साल हमें पानी की कमी ही नहीं रहे। दो साल पहले बीसलपुर खूब छलका था।

इतना पानी छोड़ा गया कि एक दो छोटे मोटे बांध भर जाते। अब तो उसका पानी रामगढ़ बांध तक लाने की चर्चा होती रहती है। चर्चा तो यह भी होती है कि सीवरेज के पानी को शोधित कर उसका पार्कों आदि में सिंचाई में उपयोग किया जाए तो क्या ऐसा नहीं हो सकता कि शहर की सड़कों पर बारिश में बहते अकूत पानी का संग्रहण कर भूजल का पुनर्भरण किया जाए। इसके लिए जल निकासी के कारगर सिस्टम की जरूरत है। रियासत काल में ऐसा सिस्टम था। पश्चिमी राजस्थान के अनेक तालाब इसके उदाहरण हैं। जरूरत राजस्थान में इस दिशा में बड़ी पहल किए जाने की है। प्रयास यह हो कि बारिश की एक भी बूंद फालतू बहकर नहीं जाए। वह या तो धरती में समा जाए या फिर किसी जलस्रोत का हिस्सा बने। अन्यथा ज्यों ज्यों शहर और गांव बड़े होते जाएंगे प्यासे कंठों की संख्या भी बढ़ती जाएगी। खेत भी प्यासे रह जाएंगे, क्योंकि सिंचाई के लिए जमीन में पानी ही नहीं होगा। पानी को पाताल में जाने से रोकने के लिए प्रयास अब युद्धस्तर पर होने चाहिए।

फिलहाल हमें पड़ोसी राज्यों से नहरों से मिल रहा पानी समृद्ध कर रहा है, लेकिन यह हमें स्वावलम्बी नहीं बना सकता। इसके लिए वर्षा जलप्रबंधन के क्षेत्र में नवाचार करने की जरूरत है। किसी भी जिला, उपखंड या पंचायत को विकास कार्यों के लिए आवंटित किए जाने वाले धन को वहां के जलस्रोतों के बेहतर प्रबंधन से जोड़ दिया जाए तो क्या बेहतर परिणाम नहीं निकल सकते? यानी कि आपको अच्छी सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र चाहिए तो भूजल स्तर बढ़ाइए। आज जरूरत इस बात की है कि राज्य में जल प्रबंधन की एक नई कार्य संस्कृति विकसित की जाए जो हमारे सामने मौजूद नई चुनौतियों और जरूरतों को पूरा कर सके।

हमें बेहतर खेती भी चाहिए और उद्योग भी। लेकिन पानी के बिना यह उम्मीद पूरी नहीं हो सकती। रियासत काल में अधिकांश शहरों में बारिश का पानी तालाबों या झीलों में जाता था। वह गंदे नालों का हिस्सा नहीं बनता था। पानी की दृष्टि से राजस्थान का सबसे समृद्ध इलाका हाड़ौती अंचल है। लेकिन वहां गांव-गांव शहर-शहर तालाब बने थे। बूंदी की बावड़ियां तो जग प्रसिद्ध हैं। तीन दशक पहले तक कोटा के चारों ओर डेढ़ से दो दर्जन तालाब थे। बारिश में पठारों से प्रबल वेग से बहकर आता पानी एक के बाद दूसरे तालाब को भरता हुआ नदी नालों में समा जाता, लेकिन अब वहां के कितने ही तालाब अपना अस्तित्व खो चुके हैं। इसी तरह शेखावाटी में सीकर, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़ व अन्य कस्बों में भी तालाब-बावड़ियां थीं जो अब विलुप्ति के कगार पर हैं। अधिकतर में बारिश का पानी बहकर पहुंचता ही नहीं और वे सूखे रह जाते हैं क्योंकि रास्ते अवरूद्ध हो गए हैं। इसलिए जरूरत इस तरह के प्रयास किए जाने की है कि बारिश का पानी तालाबों तक पहुंचे और धरती में समा जाए। दशकों से सूखी पड़ी हमारी बरसाती नदियां फिर वेगवती होकर बहें और उनका पानी बांधों-तालाबों तक पहुंचे।

प्रदेश में गिरते भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने का यही सबसे बेहतर रास्ता हो सकता है। धीरे-धीरे मर रही छोटी-छोटी नदियां या नालों को बचाने और उनको पुनर्जीवित करने की जरूरत है ताकि धरती के पेट में पानी पहुंचता रहे। अन्यथा पानी की दिन प्रतिदिन होती कमी किसी दिन प्रदेश का पानी उतार देगी। विकास के तमाम वादों के बीच एक वादा यह भी होना चाहिए कि हम राजस्थान को जलसमृद्ध राज्य बनाएंगे। यह एक दिन या एक साल में होने वाला काम नहीं है, इसके लिए दशकों तक तपस्या करनी पड़ेगी, क्योंकि इसकी बहुत जरूरत है। हर शहर-गांव के पास तालाब हो जहां बारिश का पानी जमा और धरती में समाता रहे। अन्यथा कागजों में योजनाओं की बारिश होती रहे जमीनी स्तर पर उसका कोई फायदा नहीं होगा। यह बात तो साफ है कि प्रकृति का रूप बदल रहा है और बारिश का पैटर्न भी बदल रहा है। लेकिन मेह बरसता रहे और पानी धरती में समाता रहे। राजस्थान को पानी के लिए पानीदार पहल करनी होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विकास के तमाम वादों के बीच एक वादा यह भी होना चाहिए कि हम राजस्थान को जलसमृद्ध राज्य बनाएंगे। यह एक दिन या एक साल में होने वाला काम नहीं है, इसके लिए दशकों तक तपस्या करनी पड़ेगी, क्योंकि इसकी बहुत जरूरत है। हर शहर-गांव के पास तालाब हो जहां बारिश का पानी जमा और धरती में समाता रहे। अन्यथा कागजों में योजनाओं की बारिश होती रहे जमीनी स्तर पर उसका कोई फायदा नहीं होगा। यह बात तो साफ है कि प्रकृति का रूप बदल रहा है और बारिश का पैटर्न भी बदल रहा है।

बरसाती पानी को निकास का रास्ता नहीं मिलता और जगह-जगह जल भराव हो जाता है। बारिश थमने के बाद शहर के हालात सामान्य होने में दो-तीन घंटे लग जाते हैं। यही हाल राज्य के अन्य शहरों का भी है। जहां के कई जलस्रोत खासकर तालाब गंदे पानी के पोखर बनकर रह गए हैं। सावन कितना ही झूम के बरसे, लेकिन पर्यटन का केंद्र बनी दो-चार नामी झीलों को छोड़ दें अन्य कई नदियां, तालाब, बांध पानी को तरसते रह जाते हैं। बारिश के अकूत पानी का यदि एक साल भी पूरी तरह संग्रह हो जाए तो संभव है, अगले दो चार साल हमें पानी की कमी ही नहीं रहे। दो साल पहले बीसलपुर खूब छलका था। इतना पानी छोड़ा गया कि एक दो छोटे मोटे बांध भर जाते।

व्यंग्य

रोते भी रहे हंसते भी रहे

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

एक ओर तो हमें दुनिया खूबसूरत लगती है, दूसरी ओर इसमें जमाने भर का संताप दिखाई देता है। हम यह तय नहीं कर पाते कि हंसा जाए या रोया जाए? इसी कशमकश में जीना है- इसलिए जी रहे हैं। कभी-कभी तो जी में आता है कि जी-भर कर रोया जाए और कभी कभी ख्याल आता है कि गम भुलाने के लिए ही सही, लेकिन अपने हालातों पर हंस लिया जाए। गोया कि हंसी-हंसी में गम को झेल कर यानी कि आंखें मूंदकर रात मान ली जाए। यह अलग बात है कि कुछ लोग हंसने और रोने की प्रक्रिया में भी 'राजनीति' ढूंढ ही लिया करते हैं।

वैसे भी राजनीतिक दृष्टि से यदि हम सत्ता के समर्थक हैं, तो उसके हर क्रियाकलापों पर ताली बजाना हमारा मूलभूत कर्तव्य बन जाता है। ऐसे में हमें सत्ता पक्ष की हर एक गतिविधियों पर अपना समर्थन व्यक्त करना होता है। हालांकि कभी-कभी ऐसा भी होता है कि सत्तापक्ष की नीतियों के चलते जनाक्रोश का वातावरण व्याप्त हो जाए, तो भी हम ताली बजाने वाले ताली बजाते ही हैं। ऐसा नहीं है कि हम सत्ता के चाबुक से हताहत नहीं होते, हम मारे जाते हैं- बार-बार मारे जाते हैं, लेकिन उफ नहीं करते। बिना चूं-चपड़ के हम सत्ता के अनुयायी बनकर सुर में सुर मिलाकर बेनूर हुए जाते हैं।राजनीति में एक की हंसी दूसरे के रोने का कारण बन जाती है। सत्ता के साथ रहने का एक मनोवैज्ञानिक लाभ यह होता है कि हम देश प्रदेश के नेतृत्व को 'अपना आदमी' समझ कर इतराते हुए सुकून की सांस लेते रहते हैं। यही कारण है कि हम कभी हंसा करते हैं तो कभी रोया करते हैं।

वैसे भी जीवन में हंसने और रोने के अलावा रखा ही क्या है! आज के जमाने में हंसने के कारण निरंतर कम से कमतर होते जा रहे हैं, ऐसे में हमारे पास छोटी-छोटी बातों पर हंसने के अलावा और कोई मार्ग भी तो नहीं है। यह अलग बात है कि जिसको देखो रोते नजर आता है, लेकिन रोते-रोते भी हंसने की कला जीवन को सफल बना दिया करती है। इसे भी एक प्रकार से राजनीति के रूप में लिया जा सकता है।

कुछ लोग होते हैं जो किसी और को रुला कर हंसी ढूंढते हैं, ऐसे लोग तथाकथित सिद्धांतवादी होने का दंभ भरा करते हैं। जब तक जीवन है, हंसने रोने का सिलसिला कभी थमने वाला नहीं है। रोने के हमारे पास हजारों कारण है। लेकिन सफल जीवन वही जी पाता है जो हंसने के छोटे-छोटे कारणों को भी टटोलकर ठहाका लगाने का दम भर सकता है। इस मायावी संसार में सीधे-सच्चों को तो जीने का हक ही नहीं है। कदम-कदम पर व्यवस्था से तालमेल बैठाकर जीना पड़ता है। बनावट की बुनावट से दुनिया का ताना-बाना गुंथा हुआ होता है।

यूं समझिए कि जीना भी एक प्रकार से पुरुषार्थ का परिचायक सिद्ध होता है। हंसते-हंसते जियो या रोते-रोते जियो, किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता।

अनेक अवसरों पर यह तय करना मुश्किल नजर आता है कि क्या सही है और क्या गलत है? यह यक्ष प्रश्न मानव के चेतन तथा अवचेतन मन में बवाल मचाता ही रहा करता है। कुल मिलाकर हजार बात की एक बात यह कि इस जमाने में हंसने और रोने के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। जो कुछ है वह सब माया है, इस माया के मायाजाल में आकंठ डूबे हम भवसागर से तिरने की आस लगाए-कभी हंसते हैं तो कभी रोते हैं।

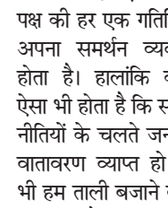

जो बाइडेन, अमरीकी राष्ट्रपति
@POTUS
बिडेनोमिक्स आपूर्ति श्रृंखलाओं को घर लाने और अमेरिका में निर्मित स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के निर्माण के बारे में है।

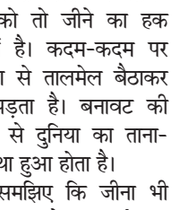

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
जब आध्यात्मिकता अनुपस्थित हो तो नैतिकता आवश्यक है।

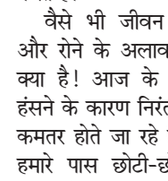

एलन मस्क, सीईओ ट्विटर
@elonmusk
मुझे पता चला कि मार्क को अपने ऐप पर 100 मिलियन साइन अप कैसे मिले, उनके पास 1.6 अरब यूसर्स के साथ एक और ऐप था और उन्हें रजिस्टर करने के लिए मजबूर किया गया।

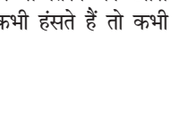

अरुण गोविल, अभिनेता
@arungovil12
ईश्वर पर उस बच्चे की तरह विश्वास करो, जिसे आप हवा में उछालते हैं, तो वो डरता नहीं बल्कि हंसता है, क्योंकि वो जानता है, कि आप उसे गिरने नहीं देंगे।

विवेक अग्निहोत्री, फिल्म निदेशक
@vivekagnihotri
विश्व एक जीवित अस्पताल बन गया है जहां चारों ओर बीमार लोग हैं। चीनी, वसा, विषाक्तता से बीमार। पैसे से, रुतबे से, अहंकार से बीमार। नफरत, हिंसा, विकृति से बीमार। आलस्य, धूर्तता, निराशावाद से बीमार।

बिल गेट्स, उद्योगपति
@BillGates
जब आप किसी चीज के बारे में सीख रहे हों, तो यह महत्वपूर्ण है कि आप स्वयं को भ्रमित होने दें।

नॉलेज कॉर्नर: अध्ययन में बाधा ना आए इसलिए शुरू की गई यह योजना

बच्चों की पहली जरूरत 'मिड डे मील'

प्रत्येक व्यक्ति की पहली जरूरत भोजन होती है। इसलिए जरूरतों की सूची में भोजन को पहले स्थान पर रखा जाता है। भोजन के बिना रहना बेहद मुश्किल होता है। बात जब बच्चों की आए वे तो बिना भोजन के कोई काम कर ही नहीं सकते। बच्चों की इसी जरूरत को भारत सरकार ने भी समझा और सरकारी स्कूलों में मिड डे मील जैसा कार्यक्रम शुरू किया। इसके तहत छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों को विद्यालय में गुणवत्तायुक्त दोपहर का भोजन उपलब्ध करवाया जाने लगा। इस योजना के अंतर्गत स्कूल में आने वाले प्रत्येक बच्चे को मिड डे मील उपललब्ध करवाया जाता है, ताकि उनका शारीरिक व मानसिक विकास हो सके। विस्तृत जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में..

कब शुरू हुआ मिड डे मील

मिड डे मील का अर्थ होता है मध्याह्न का भोजन। इस योजना को शिक्षा मंत्रालय के तहत 15 अगस्त 1995 में शुरू किया गया था। यह विश्व का सबसे बड़ा विद्यालय भोजन कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करना है। वर्ष 2021 में इस योजना का नाम बदलकर 'प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण' योजना कर दिया गया। इस योजना में बालवाटिका के 3 से 5 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चे भी शामील हैं। 'वैश्विक भुखमरी सूचकांक- 2020' के अनुसार भारत 107 देशों में 94वें स्थान पर है। इस सूची के अनुसार भारत गंभीर श्रेणी में है। ऐसे में देश के प्रत्येक व्यक्ति को पोष्टिक भोजन प्राप्त करवाना भारत सरकार का उद्देश्य है। भोजन की गुणवत्ता की जांच करने के लिए स्कूल प्रबंधन समिति के कुछ वयस्क सदस्यों द्वारा भोजन परखा जाता है।

अलग-अलग व्यवस्था

भूख और कुपोषण समाप्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के तहत हर राज्य में भोजन की अलग-अलग व्यवस्था है। शुरूआती दौर में केवल घूघरी (गेंहु के दानों को उबालकर बना पदार्थ) उपलब्ध करवाई जाती थी। बाद में दाल, रोटी, चावल, दुध और फलों को भी शामिल किया गया। बच्चों को अच्छा पोषण मिले इसलिए जम्मू व कश्मीर, उत्तराखंड, बिहार, आसाम, त्रिपुरा , झारखंड, प. बंगाल, छत्तीसगढ़, ओड़िसा, तमिलनाडु , तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक राज्यों में भोजन के साथ अंडा भी दिया जाता है, जबकि शेष राज्यों में शाकाहारी भोजन प्रदान किया जाता है।

इसलिए पड़ी योजना की जरूरत

इस योजना को शुरू करने का पहला उद्देश्य बच्चों में समानता बनाए रखना व उन्हें पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाना है। एक कारण यह भी है कई बच्चे सुबह भूखे पेट विद्यालय चले जाते थे। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने देशभर में मिड डे मील कार्यक्रम शुरू करवाया। कंटेंट: सुप्रिया सरकार

महाराष्ट्र के कांग्रेस नेताओं की खरगे व राहुल के साथ बैठक: दोनों नेताओं का पार्टी में एकता पर जोर, कहा...

जनादेश पर भाजपा के हमले का कड़ा राजनीतिक जवाब दिया जाएगा

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ बैठक की जिसमें पार्टी को उसके इस पुराने गढ़ में फिर से मजबूत बनाने और जनादेश पर भारतीय जनता पार्टी के हमलों का कड़ा राजनीतिक उत्तर देने पर जोर दिया गया।

महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन की पृष्ठभूमि में पार्टी मुख्यालय में हुई इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी

के अध्यक्ष नाना पटोले, पार्टी के राज्य प्रभारी एचके पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण एवं अशोक चव्हाण, वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक और कई अन्य नेता मौजूद थे। बैठक की तस्वीर साझा करते हुए खरगे ने ट्वीट किया, भाजपा ने अपनी 'वॉशिंग मशीन' का इस्तेमाल कर, महाराष्ट्र के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी इस राजनीतिक जालसाजी का बराबर जवाब देगी। महाराष्ट्र की जनता जनादेश पर भाजपा द्वारा किए गए लगातार हमलों का कड़ा राजनीतिक उत्तर देगी। उन्होंने कहा, हमारे नेता और कार्यकर्ता, महाराष्ट्र की जनता को उसकी अपनी सरकार वापस दिलाएंगे। हम महाराष्ट्र की जनता के मन में अपनी जगह हमेशा से बनाए हुए हैं। महाराष्ट्र और कांग्रेस के गौरवशाली रिश्ते को हम और मजबूत करेंगे।

हमारा ध्यान लोगों की आवाज उठाने पर: राहुल

राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक हुई। महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी का गढ़ है और हमारा ध्यान वहां कांग्रेस पार्टी को मज़बूत करने और लोगों की आवाज उठाने पर केंद्रित है। हम मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि वहां की सत्ता पर बैठी जनविरोधी सरकार की हार हो।

नेता प्रतिपक्ष का फैसला सत्र से पहले

कांग्रेस ने यह फैसला भी किया है कि महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का फैसला आगामी सत्र से पहले पहले किया जाएगा। राकांपा में विभाजन के बाद अब कांग्रेस राज्य विधानसभा में सबसे बड़ा विपक्षी दल हो गई है। कांग्रेस के 44 विधायक हैं।

सितंबर में पद यात्रा, नवंबर से बस यात्रा

बैठक के बाद वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा,लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई है। बैठक में तीन प्रमुख फैसले हुए हैं। वरिष्ठ नेताओं को हर लोकसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सितंबर महीने में हर जिले में एक बड़े नेता की अगुवाई में बड़ी पदयात्रा निकाली जाएगी। नवंबर एवं दिसंबर में एक बस यात्रा भी होगी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पटोले ने कहा, महाराष्ट्र कांग्रेस एकजुट है, कोई भी पार्टी छोड़कर नहीं जाएगा। जब भी महाराष्ट्र में चुनाव होगा तो सबसे बड़ी पार्टी बनकर कांग्रेस सामने आएगी।'

बालाजी के भाई से संबंधित ठिकानों पर IT छापे

करूर (तमिलनाडु)। (आयकर विभाग के अधिकारियों ने तमिलनाडु के गिरफ्तार मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के भाई से संबंधित ठिकानों पर यहां मंगलवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। आयकर अधिकारियों ने इससे पूर्व करूर जिले एवं राज्य में अन्य स्थानों पर स्थित बालाजी के भाई की संपत्तियों और ठिकानों की दो बार तलाशी ली थी। आयकर अधिकारियों ने मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर छापे मारे।

कर्नाटक: जैन मुनि की हत्या के मामले में विस में हंगामा

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार द्वारा बेलगावी जिले में एक जैन मुनि की हत्या की सीबीआई जांच से इनकार करने के बाद विपक्षी दल भाजपा ने मंगलवार को सिद्धरमैया सरकार पर मामले को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाते हुए कर्नाटक विधानसभा में अध्यक्ष के आसन के सामने आकर हंगामा किया। भाजपा के विरोध के कारण दिन के दूसरे भाग में सदन की कार्यवाही बाधित हुई, जिसके कारण विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादेर को सदन को पहले कुछ मिनटों के लिए और फिर शेष दिन के लिए स्थगित करना पड़ा।

सीधी प्रकरण में MP विधानसभा में हंगामा

भोपाल। एमपी विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार को विपक्ष के भारी हंगामे के बीच दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस ने सदन में सीधी मूत्र कांड और आदिवासियों पर अत्याचार के मुद्दे पर चर्चा की मांग की। सीधी जिले में एक व्यक्ति ने एक आदिवासी युवक पर पेशाब कर दिया था। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद देशभर में आक्रोश फैल गया था। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने इन विषयों पर चर्चा की इजाजत देने की मांग की।

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव

हिंसा व भ्रष्टाचार बंगाल के साझा दुश्मन, इनके खिलाफ लडें: बोस

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने मंगलवार को कहा कि राज्य के दो दुश्मन हैं- हिंसा व भ्रष्टाचार और राजनीतिक दलों को इनसे लड़ना चाहिए।

बोस ने पंचायत चुनाव प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाओं की निंदा की जिनमें 15 लोग मारे गए। बोस ने यहां राजभवन में कहा, पूरे बंगाल के लिए दो सूत्री एजेंडा है... राजनीतिक संबद्धताओं के इतर। दो साझा दुश्मनों के खिलाफ लड़ें। राज्यपाल ने कहा कि उन्हें यकीन है कि राज्य में हिंसा और भ्रष्टाचार के खिलाफ धर्मयुद्ध होगा।

चुनाव मतपत्र के जरिए लडें, गोली से नहीं

राज्यपाल ने कहा, राजनीतिक दलों को यह समझना चाहिए कि चुनाव किसी की शारीरिक ताकत परखने का आधार नहीं हैं। चुनाव मतपत्र के जरिये लड़ा जाना चाहिए, गोली से नहीं।

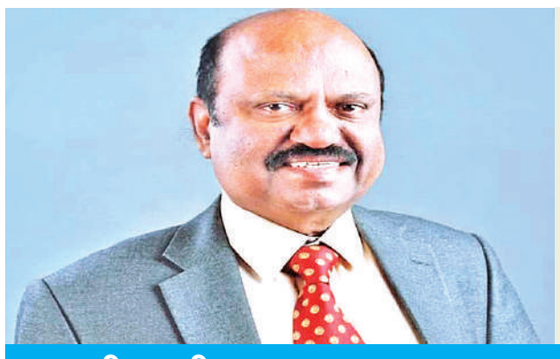

हिंसा राज्य प्रायोजित थी: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों के दौरान हुई हिंसा को 'राज्य प्रायोजित' करार दिया और दावा कि इसमें कम से कम 45 लोगों की मौत हुई है। पार्टी ने इस हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार की कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 'निर्मम' हैं क्योंकि हिंसा की घटनाओं के दौरान वह 'मूकदर्शक' बन सब देख रही थीं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की 'दादागिरी की राजनीति' मतगणना के दिन भी जारी रही।

टीएमसी का दबदबा कायम, 18,606 पंचायत सीटों पर विजयी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस, पश्चिम बंगाल में हिंसा के बीच हुए पंचायत चुनाव के घोषित नतीजों के मुताबिक अपने वर्चस्व को कायम रखती दिख रही है। दो साल पहले तृणमूल ने विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की थी। पश्चिम बंगाल में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार शाम तक राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित 27,985 सीट के नतीजों के मुताबिक 18,606 सीट पर जीत दर्ज कर ली है जबकि अन्य 8,180 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। राज्य में कुल 63,299 ग्राम पंचायत सीट के लिए मतदान कराया गया है।

BJP की 4,482 सीटों पर जीत

घोषित नतीजों के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस की निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा ने 4,482 सीट पर जीत दर्ज की है और 2,419 सीट पर उसके उम्मीदवार आगे हैं। वाम मोर्चा ने 1,502 सीट जीती हैं जिनमें से अकेले माकपा ने 1,424 सीट पर जीत दर्ज की है। वाम दल इस समय 969 सीट पर आगे है, जबकि कांग्रेस ने 1073 सीट पर जीत दर्ज की है तथा 693 अन्य सीटों पर उसके प्रत्याशी आगे चल रहे हैं। अन्य पार्टियों ने 476 सीट पर जीत दर्ज की है और 208 पर बढ़त बनाए हुए हैं जबकि तृणमूल कांग्रेस के बागियों सहित निर्दलीय 1,060 सीट पर जीते हैं और 466 पर बढ़त बनाए हुए हैं। अब तक 785

सीटों पर उम्मीदवार बराबरी पर हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस 118 पंचायत समिति सीट जीत चुकी है और 782 अन्य पर बढ़त बनाए हुए है। तृणमूल कांग्रेस ने अब तक घोषित जिला परिषद की सभी 18 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि 64 अन्य पर आगे चल रही है जबकि माकपा ने दो सीट पर जीत दर्ज की है।

पूर्व मंत्री नागमणि की शाह से भेंट

राजग में शामिल होने के इच्छुक, गठबंधन की हिमायत

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि ने मंगलवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल होने की इच्छा जताई। नागमणि की पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्य में सत्तारूढ़ महागठबंधन का मुकाबला करने के लिए अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। पिछले कुछ वर्षों में राजद और जनता दल (यूनाइटेड) सहित कई दलों में रहने के बाद नागमणि ने पिछले साल शोषित इंकलाब पार्टी बनाई थी। बिहार के सत्तारूढ़ गठबंधन में जद (यू), (राजद), कांग्रेस और वाम दल शामिल हैं।

शाह के साथ अपनी बैठक के बारे में संवाददाताओं से बातचीत में नागमणि ने कहा कि उन्होंने उनसे आग्रह किया कि भाजपा को बिहार में महागठबंधन को हराने के लिए क्षेत्रीय नेताओं को समायोजित करके एक बड़ा गठबंधन बनाना चाहिए। नागमणि ने कहा, सभी बड़ी पार्टियां चुनाव से पहले गठबंधन कर रही हैं। भाजपा को भी ऐसा करना चाहिए। उन्होंने शाह से अपने पिता जगदेव प्रसाद की मौत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जांच का आदेश देने का भी आग्रह किया। बिहार में लोकसभा की 40 सीट हैं। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के मद्देनजर यह संख्या राजग और बिहार के सत्तारूढ़ महागठबंधन के लिए अहम है।

यह है सियासी गणित

नागमणि कुशवाहा समुदाय से आते हैं। कुशवाहा वोटों को राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे यादवों के बाद सबसे बड़ा पिछड़ा समुदाय हैं। भाजपा ने हाल ही में समुदाय के एक सदस्य सम्राट चौधरी को बिहार भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। राजग में शामिल होने के लिए जद (यू) छोड़ने वाले उपेंद्र कुशवाहा से भी संपर्क साधा है।

बिहार: तेजस्वी यादव के इस्तीफे की मांग

सदन में हंगामा, कार्यवाही बाधित

एजेंसी | पटना

बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों में मंगलवार को विपक्षी दल भाजपा के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चल पाई।

बिहार विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे शुरू होते ही भाजपा सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो गए और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के इस्तीफे की मांग करने लगे। भाजपा सदस्य नौकरी के बदले जमीन घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद राजद के नेता तेजस्वी यादव के इस्तीफे की मांग करते हुए आसन के समीप आ गए थे। विपक्षी सदस्यों में से कुछ ने 'रिपोर्टिंग स्टाफ' के लिए रखी

गई मेज को पलटने की कोशिश की और उस पर कुर्सियां रख दीं। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर और पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार के बीच तीखी नोकझोंक भी देखी गई। पूर्व मंत्री के लिए मार्शलों को भी बुलाया गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने हंगामे के बीच सदन चलाने की कोशिश की, पर अपनी अपील का कोई असर नहीं होता देख उन्होंने कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। चौधरी ने विपक्षी सदस्यों से कहा, इस तरह का व्यवहार निंदनीय है। यह प्रजातंत्र को कलंकित करने वाला है। भाजपा विधायक संजय सरावगी ने सदन के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''हम तब तक सदन नहीं चलने देंगे जब तक तेजस्वी खुद इस्तीफा नहीं दे देते या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उन्हें बर्खास्त नहीं कर देते।

गोवा से सदानंद तनावड़े को BJP उम्मीदवार बनाया

नई दिल्ली/पणजी। भाजपा ने गोवा की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए मंगलवार को अपनी प्रदेश इकाई के प्रमुख सदानंद म्हालू शेट तनावड़े को उम्मीदवार घोषित किया। पार्टी की ओर से दिल्ली में बताया गया कि भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने गोवा राज्यसभा चुनाव के लिए तनावड़े के नाम को स्वीकृति प्रदान की है। गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 33, कांग्रेस के तीन, आम आदमी पार्टी (आप) के दो और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) तथा रेवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी (आरजीपी) के एक-एक विधायक हैं।

J&K के पूर्व सीएम उमर ने किया प्रहार

BJP मजबूरी में कर रही है मेल-मिलाप

एजेंसी | श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा 2024 के आम चुनाव से पहले राजग को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रही है क्योंकि चुनाव जीतना उतना आसान नहीं होगा जितना वह दिखाना चाहती है।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पिछले पांच-आठ वर्षों में भाजपा ने अपने सहयोगियों के साथ दोस्ती का कहीं भी सम्मान नहीं किया लेकिन अब मजबूरी में मेल-मिलाप की कोशिश कर रही है। समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा को अपना एजेंडा तय करने का

अधिकार है। नेशनल कॉन्फ्रेंस भाजपा के एजेंडे का समर्थन नहीं करती, लेकिन अगर ऐसा कोई कानून लागू किया जाता है तो किसी भी समुदाय के लिए कोई छूट नहीं होनी चाहिए, यहां तक कि आदिवासियों के लिए भी नहीं। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में भाजपा चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) से बात कर रही है और पंजाब में अकाली दल को वापस गठबंधन में लाने की कोशिश कर रही है। वे महाराष्ट्र में शिवसेना से बात कर रहे हैं।

अयोग्यता याचिका का मामला

विधानसभा अध्यक्ष को समयसीमा नहीं बता सकती अदालत: नार्वेकर

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित 16 शिवसेना विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर शीघ्र फैसले के लिए शिवसेना (यूबीटी) द्वारा उच्चतम न्यायालय का रुख करने के कुछ दिनों बाद, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा है कि अदालत इस मामले पर निर्णय के लिए विधानसभा अध्यक्ष को समयसीमा नहीं बता सकती।

पिछले हफ्ते शिवसेना (यूबीटी) विधायक सुनील प्रभु द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर शीर्ष अदालत के 11 मई की व्यवस्था के बावजूद फैसले में जानबूझकर देरी कर रहे हैं। अविभाजित शिवसेना के मुख्य सचेतक के रूप में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विधायक सुनील प्रभु ने 2022 में शिंदे और अन्य विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी। शिंदे और अन्य विधायकों ने पिछले साल जून में नयी सरकार बनाने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया था।

नार्वेकर ने पत्रकारों से कहा, मेरे द्वारा कोई निर्णय ले लेने के बाद अदालत फैसला कर सकती है, लेकिन अदालत विधानसभा अध्यक्ष को आदेश नहीं दे सकती और उन्हें एक निश्चित समयसीमा के भीतर निर्णय लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। यह पूछे जाने पर कि इस मामले पर निर्णय लेने के लिए उन्हें कितना समय चाहिए, नार्वेकर ने कहा कि महाराष्ट्र में जो हुआ वह अभूतपूर्व है। ऐसी घटना पर मेरे पास किसी अन्य राज्य से कोई उदाहरण नहीं है।

उद्धव का तंज: राकांपा के 70 हजार करोड़ के घोटाले का क्या हुआ?

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उनकी राकांपा द्वारा 70 हजार करोड़ रुपए का कथित घोटाला किए जाने संबंधी टिप्पणी को लेकर तंज किया और पूछा कि इस घोटाले का क्या हुआ। ठाकरे ने प्रधानमंत्री मोदी पर ऐसे समय निशाना साधा है जब पुणे ट्रस्ट ने एक दिन पहले ही तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए प्रधानमंत्री को चुना है और एक अगस्त को

आयोजित सम्मान समारोह के लिए शरद पवार को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया है। ठाकरे ने संवाददाताओं से कहा, 70 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का क्या हुआ? मंच पर उस समय कौन होगा। वह (राकांपा) पार्टी आपके साथ है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने भोपाल में भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि राकांपा पर महाराष्ट्र सहकारी बैंक घोटाला, सिंचाई घोटाला और अवैध खनन घोटाला सहित 70 हजार करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। विपक्षी पार्टियों के खिलाफ कथित तौर पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए ठाकरे ने भाजपा नीत केंद्र सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा, समय क्रूर होता है।

'फडणवीस, शाह का अपमान जारी रखा तो बिगड़ सकती है कानून व्यवस्था'

नागपुर। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को कहा कि अगर शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का अपमान करते रहेंगे तो राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। उन्होंने कहा कि ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा और इसके लिए भाजपा जिम्मेदार नहीं होगी। बावनकुले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ठाकरे का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और उन्हें इसका उपचार कराना चाहिए। बावनकुले ने ठाकरे को दागी पूर्व मुख्यमंत्री और दागी व्यक्ति करार दिया।

यह कहा था ठाकरे ने

ठाकरे ने सोमवार को यहां फडणवीस के गृहक्षेत्र में शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि भाजपा नेता नागपुर पर 'धब्बा' हैं क्योंकि उन्होंने राकांपा के साथ समझौता कर लिया जबकि वह कहते थे कि कभी ऐसा नहीं करेंगे।

जरूरी खबर

बिलकीस बानो मामले की सुनवाई 17 तक स्थगित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुजरात में बिलकीस बानो से बलात्कार एवं उनके परिजनों की हत्या के 11 दोषियों को सजा में दी गई छूट को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई 17 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ने और न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि उसके नौ मई के आदेश के परिप्रेक्ष्य में गुजराती और अंग्रेजी के स्थानीय समाचार-पत्रों में उन दोषियों के संदर्भ में नोटिस प्रकाशित किए जा चुके हैं, जिन्हें यह तामिल नहीं हो सका था। इसके बाद शीर्ष अदालत ने समयाभाव के कारण मामले की सुनवाई 17 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी।

निजी स्कूलों के शिक्षक भी समान वेतन के हकदार

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि गैर सहायता प्राप्त निजी स्कूलों के शिक्षक सरकारी स्कूलों के अपने समकक्षों के समान वेतन और भत्ते पाने के हकदार हैं। अदालत ने सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार अपने शिक्षकों को वेतन देने के उच्च न्यायालय की एकल-न्यायाधीश पीठ के निर्देश को चुनौती देने वाली एक निजी स्कूल की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायाधीश मनमोहन और न्यायाधीश मिनी पुष्करणा की पीठ ने याचिका का निपटारा करते हुए अपने हालिया फैसले में कहा कि स्कूल अपनी वैधानिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते और कानून के अनुसार बकाया का भुगतान करने के लिए बाध्य हैं।

कुनो पार्क में एक और अफ्रीकी चीते की मौत

भोपाल/श्योपुर। मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में मंगलवार को संभवतः आपसी लड़ाई के कारण एक और अफ्रीकी चीते की मौत हो गई। तेजस नामक इस नर चीते को इसी साल फरवरी में दक्षिण अफ्रीका से श्योपुर जिले के केएनपी में लाया गया था। एक अधिकारी के अनुसार मार्च से अब तक केएनपी में नामीबियाई चीता 'ज्वाला' से पैदा हुए तीन शावकों सहित सात चीतों की मौत हो चुकी है। इससे पिछले साल सितंबर में बहुत जोर शोर से चीतों को देश में फिर से बसाने की योजना के तहत शुरु किए गए 'प्रोजेक्ट चीता' को झटका लगा है।

अमरनाथ यात्रा: बारिश ने थामे पहिये... राह खुली तो ली राहत की सांस

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के बंद होने के कारण स्थगित की गई अमरनाथ यात्रा तीन दिन बाद मंगलवार अपराह्न स्थानीय आधार शिविर से फिर से शुरू कर दी गई। तीर्थयात्री प्रतिदिन अमूमन तड़के 3.45 से 4.30 बजे के बीच जम्मू से रवाना होते हैं। इसलिए जम्मू से अमरनाथ जाने वाले यात्री वाहन मंगलवार को चौथे दिन भी काफी समय तक फंसे रहे। अधिकांश यात्री जम्मू श्रीनगर हाईवे स्थित आधार शिविरों में रुके हुए थे। दूसरी ओर जो यात्री अंदर मेला परिसर में फंसे हुए थे, उन्हें मंगलवार को श्रीनगर होते हुए जम्मू के लिए रवाना किया गया। **फोटो: राजेश कुमावत**

अडाणी मामला: सेबी से जांच की स्थिति पूछी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अडाणी समूह द्वारा शेयर मूल्य में हेरफेर के आरोपों की चल रही जांच की स्थिति के बारे में पूछा और कहा कि तफ्तीश 14 अगस्त तक दिए गए समय तक तेजी से पूरी करनी होगी। सेबी की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की पीठ से कहा कि उच्चतम न्यायालय ने जांच के लिए 14 अगस्त तक का समय दिया था और कार्य संभावित रफ्तार से चल रहा है। मेहता ने पीठ को बताया कि सेबी ने न्यायालय को सौंपी गई रिपोर्ट में विशेषज्ञ समिति द्वारा दिये गए सुझावों पर सोमवार को अपना 'सकारात्मक जवाब' दाखिल किया।

मणिपुर हिंसा: कोई भी पक्ष नफरती बयान न दे

केंद्र व राज्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें: SC

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को हिंसा-प्रभावित मणिपुर के नागरिकों तथा सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का केंद्र एवं राज्य सरकार को निर्देश दिया तथा यह स्पष्ट कर दिया कि कानून-व्यवस्था कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में है और शीर्ष अदालत यह निर्णय नहीं ले सकती कि कहां-कहां सेना और केंद्रीय बल तैनात किए जाने हैं।

हिंसा प्रभावित मणिपुर में नागरिकों को हो रही दिक्कतों को कम करने को लेकर विभिन्न पक्षों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकीलों के सुझावों पर विचार विमर्श करते हुए शीर्ष अदालत ने सभी को यह कहते हुए आगाह किया, हम सभी पक्षों से अपने बयानों में संतुलन बनाए रखने का अनुरोध करते हैं और इसके लिए किसी भी पक्ष से नफरती बयान नहीं आना चाहिए।

सेना के लिए नहीं जारी करेंगे निर्देश

पीठ ने कहा, आप अदालत को सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों को यह निर्देश देने को कह रहे हैं कि वे किस तरह की कार्रवाई करें। देश के इतिहास में पिछले 70 साल में उच्चतम न्यायालय ने भारतीय सेना को इस तरह का कोई निर्देश जारी नहीं किया है। न्यायालय ने कहा, हमारे लोकतंत्र की एक बड़ी खुबसूरती सशस्त्र बलों पर असैनिक नियंत्रण है। इसे न समाप्त करें। हम ऐसा नहीं करेंगे। हम सेना को कोई निर्देश जारी करने नहीं जा रहे हैं। किस जगह कौन सी खास बटालियन तैनात होगी, हमारे लिए इसका निर्धारण करना बहुत ही खतरनाक है।

कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

शीर्ष अदालत ने राहत उपायों, दवाओं की आपूर्ति और पीड़ितों के शवों से निपटने सहित कुछ सुझावों पर विचार किया और केंद्र तथा मणिपुर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से उन पर विचार करने एवं एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। पीठ ने गांवों और पूजा स्थलों के पुनर्निर्माण के लिए मुआवजा देने और राहत एवं पुनर्वास कार्यों की निगरानी के लिए राज्य के सात जिलों में गठित समितियों में समुदायों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने पर विचार करने के लिए भी कहा।

राहत और बचाव अभियान में तेजी

भारी बारिश व बाढ़ से कई राज्यों में जबर्दस्त नुकसान

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के उत्तरी राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में आधारभूत संरचना को भारी नुकसान पहुंचा है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य जारी हैं। उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को भी बारिश का सिलसिला जारी रही। हिमाचल प्रदेश अत्यधिक वर्षा से सबसे अधिक प्रभावित है, और यहां 300 लोग फंसे हुए हैं। बारिश के कारण मंगलवार को विभिन्न राज्यों में सात और लोगों की मौत हो गई जबकि सैकड़ों लोग अभी भी इन क्षेत्रों में फंसे हुए हैं।

इन इलाकों में नदियां, छोटी नदियां और नाले उफान पर आ गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को यमुना नदी का जलस्तर 206 मीटर के निशान को पार कर गया, जिससे बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने का काम शुरू कर दिया गया। एहतियातन पुराने रेलवे पुल को सड़क व रेल यातायात के लिए बंद कर दिया गया है।

@ चंडीगढ़:

चंडीगढ़। सुखना झील के गेट खोलने के बाद बहा सुखना चॉय ब्रिज

@ मंडी (हिमाचल)

हिमाचल प्रदेश के मंडी में पंचवक्त्र मंदिर के निकट क्षतिग्रस्त ब्रिज

हिमाचल प्रदेश: 1100 लोग फंसे

हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले में चंद्रताल झील क्षेत्र में फंसे पर्यटकों को निकालने के लिए भेजे गए वायु सेना के एक हेलिकॉप्टर को खराब मौसम के कारण वापस लौटना पड़ा।राज्य में 14,100 फीट की ऊंचाई पर स्थित चंद्रताल झील क्षेत्र में फंसे करीब 300 पर्यटकों को निकालने के लिए वायु सेना के एक हेलहकॉप्टर को बुलाया गया था। लाहौल के चंद्रताल और पागल नाला तथा मंडी के विभिन्न हिस्सों में अब भी करीब 800 लोग फंसे हुए हैं।

हरियाणा-पंजाब में राहत: पंजाब और हरियाणा में तीन दिनों की लगातार बारिश के बाद मंगलवार को मौसम साफ हो गया। बारिश के कारण दोनों राज्य के कई हिस्सों में भारी तबाही हुई है।

उत्तराखंड: पुल बहा, सीमांत गांवों का संपर्क टूटा

उत्तराखंड के चमोली जिले के सीमावर्ती इलाके में बरसाती नदी जुम्मागाड़ में अचानक आई बाढ़ में उस पर बना पुल सोमवार रात को बह गया जिससे भारत-तिब्बत सीमा को जोड़ने वाली सड़क बंद हो गई तथा एक दर्जन से अधिक सीमांत गांवों का संपर्क टूट गया। यह पुल जोशीमठ से करीब 45 किलोमीटर दूर जोशीमठ-नीति राजमार्ग पर स्थित जुम्मा गांव के पास था।

@ दिल्ली

***दिल्ली।** दिल्ली के निचले इलाकों से सुरक्षित क्षेत्र की ओर।*

अनुच्छेद 370 निरस्त करने का मामला

दो अगस्त से सुप्रीम कोर्ट करेगा रोजाना सुनवाई

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर दो अगस्त से रोजाना सुनवाई करेगा। सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कई प्रक्रियागत निर्देश जारी करते हुए विभिन्न पक्षों द्वारा लिखित दलीलें और मामले की विवरणिका दाखिल करने के लिए समय सीमा 27 जुलाई तय की है। न्यायाधीश संजय किशन कौल, न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायाधीश सूर्य कांत भी पीठ में शामिल हैं। सुनवाई सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर रोजाना आधार पर होगी।

चंद्रयान-3: प्रक्षेपण का पूर्वाभ्यास

***बेंगलुरु।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने इस सप्ताह चंद्रयान-3 मिशन के लिए संपूर्ण प्रक्षेपण तैयारी और प्रक्रिया का 24 घंटे का प्रक्षेपण पूर्वाभ्यास किया। मिशन को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई को प्रक्षेपण यान मार्क 3 (एलवीएम3) से अपराह्न 2:35 बजे प्रक्षेपित करने की योजना है।*

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा

भारत में 15 साल में 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर

एजेंसी | संयुक्त राष्ट्र

भारत में 2005-06 से 2019-2021 के दौरान सिर्फ 15 साल में 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

संयुक्त राष्ट्र की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा जारी वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत ने गरीबी उन्मूलन के मोर्चे पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत सहित दुनिया के 25 देशों ने पिछले 15 साल में सफलता के साथ अपने वैश्विक एमपीआई मूल्य को आधा किया है। इससे इन देशों में हुई प्रगति का पता चलता है। इन देशों में कंबोडिया, चीन, कांगो, होंडुरास, भारत, इंडोनेशिया, मोरक्को, सर्बिया और वियतनाम शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने अप्रैल में 142.86 करोड़ लोगों के साथ जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। अब भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश है।

गरीबी उन्मूलन के मोर्चे पर भारत का अच्छा प्रदर्शन

रिपोर्ट में कहा गया है कि विशेष रूप से भारत ने गरीबी उन्मूलन के मोर्चे पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत में 2005-06 से 2019-21 तक 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। 2005-06 में भारत में लगभग 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में थे। 2015-16 में यह संख्या घटकर लगभग 37 करोड़ पर और 2019-21 में 23 करोड़ पर आ गई।

बाल मृत्युदर भी घटी, अन्य क्षेत्रों में भी सुधार

रिपोर्ट के अनुसार भारत में पोषण के संकेतक के आधार पर बहुआयामी गरीबी और वंचित लोगों की संख्या 2005-06 के 44.3 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 11.8 प्रतिशत पर आ गई। बाल मृत्यु दर भी इस दौरान 4.5 प्रतिशत से घटकर 1.5 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट के अनुसार, जो लोग गरीब हैं और खाना पकाने के ईंधन से वंचित हैं, उनकी संख्या 52.9 प्रतिशत से घटकर 13.9 प्रतिशत रह गई है। वहीं स्वच्छता से वंचित लोग 2005-06 के 50.4 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 11.3 प्रतिशत रह गए हैं। पीने के साफ पानी यानी पेयजल के मानक पर देखें, तो इस अवधि में ऐसे लोगों की संख्या 16.4 प्रतिशत से घटकर 2.7 प्रतिशत रह गई।

द. एशिया में 38.9 करोड़ लोग काफी गरीब

रिपोर्ट के अनुसार 110 देशों में 6.1 अरब लोगों में से 1.1 अरब काफी गरीबी में रह रहे हैं। उप-सहारा अफ्रीका में ऐसे लोगों की संख्या 53.4 करोड़ और दक्षिण एशिया में 38.9 करोड़ है। भारत उन 19 देशों में शामिल है जिन्होंने एक अवधि में अपने एमपीआई को आधा किया है।

मुस्लिम वर्ल्ड लीग के महासचिव बोले-

भारतीय मुसलमानों को अपनी राष्ट्रीयता पर गर्व

एजेंसी | नईदिल्ली

'मुस्लिम वर्ल्ड लीग' के महासचिव शेख मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल-इस्सा ने मंगलवार को कहा कि भारत में मुसलमानों को अपनी राष्ट्रीयता पर गर्व है और अपनी विविधता के साथ यह देश सह-अस्तित्व के लिए एक शानदार मॉडल है।

भारत दौरे पर आए अल-इस्सा ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि भारत अपनी पूर्ण विविधता के साथ केवल जुबानी तौर पर ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी सह-अस्तित्व का एक शानदार मॉडल है। खुसरो फाउंडेशन और इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा, भारतीय मुसलमान भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। हम जानते हैं कि भारत एक हिंदू बहुसंख्यक देश है और यहां एक धर्मनिरपेक्ष संविधान है, जो एक राष्ट्र के तहत एकजुट विभिन्न संप्रदायों के लिए एक छतरी की तरह है।

प्रदर्शनी: भविष्य के डिजाइनर्स ने INFD के नए भवन में दिखाया अपना क्रिएशन

दैत्यकाय कैंची और बड़े-बड़े बटन्स से सजा कला संसार

बेधड़क, जयपुर। भविष्य के डिजाइनर्स का क्रिएशन बड़े-बड़े बटन, दैत्यकाय कैंची, मेजरमेंट फीता और लाइटिंग में दिखाई दिया। हर कोना अपनी कहानी स्वयं बयां कर रहा था, जिसमें युवाओं की मेहनत की खुशबू और बड़ों का मार्गदर्शन था। फिर जब शहर के बिजनेसमेंस और सोशल वर्कर्स ने युवाओं की इन डिजाइंस व आर्ट को देखा तो वे भी रोमांचित और उत्साहित हो गए। ये अनूठा संसार सजाया आईएनआईएफडी के युवाओं ने। मानसरोवर में अपना नया और अत्याधुनिक परिसर उन्होंने इन सभी चीजों के क्रिएशन को एग्जीबिशन के रूप में दर्शाया। ऐसे में 25वें वर्ष की पूर्व संध्या पर वार्षिक प्रदर्शनी-2023 'एसएटीएटी' में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कई दिनों तक एग्जीबिशन में शहर के कला प्रेमियों ने विजिट कर अलग-अलग क्रिएशन की जानकारी ली।

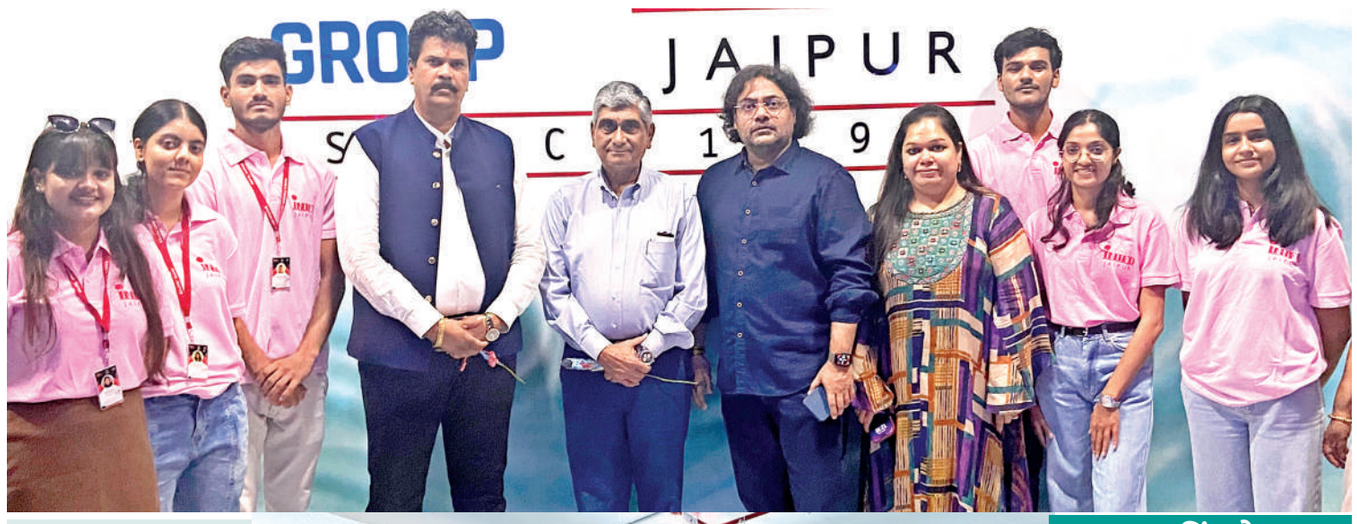

जीवन निरंतरता थीम रही खास

युवाओं ने बड़ों के मार्गदर्शन से प्रकृति के तत्वों आकाश, पृथ्वी और महासागर का उपयोग करके जीवन निरंतरता की थीम पर कला का ये संसार सजाया। रचनात्मक, पुनर्चक्रित और पुनर्नवीनीकरण उत्पादों के माध्यम से चित्रित माहौल था। इसमें याद दिलाया कि हर चीज में जन्म, विकास, मृत्यु और पुनर्जन्म का एक चक्र होता है। ऐसे में इस थीम को अतिथियों, अभिभावकों और युवाओं के साथ समाज सेवियों ने प्रदर्शनी के रूप में देखा।

ब्ल्यू लाइटिंग से सजाया आशियाना

साथ ही उन्होंने ब्ल्यू थीम पर लाइटिंग करते हुए आशियाना भी सजाया। ये कोना अपने आप में शांति का अहसास करा रहा था। इसमें उन्होंने प्रकृति के रंग भी अनूठे तरीके से बिखेरे। साथ ही पेंटिंग्स को जीवन का हिस्सा बताया। पेंटिंग्स, ड्रेसेज, फर्नीचर, प्लांट्स आदि को साथ दिखाकर मैसेज दिए। इसे देखकर प्रोफेशनल्स भी रोमांचित नजर आए और उन्होंने इस क्रिएशन की जानकारी इसको तैयार करने वालो से ली। वहीं, आयोजकों ने बताया कि आईएनआईएफडी ने पिछले कई सीजन से न्यूयॉर्क फैशन वीक, लंदन फैशन वीक और लैक्मे फैशन वीक में प्रदर्शन किया है। यहां के युवाओं को लंदन और न्यूयॉर्क में भारतीय उच्चायोग की ओर से भी नियमित रूप से सम्मानित किया गया है।

डॉ. सेवानी ने पदभार संभाला

बेधड़क. जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर साउथ ने वेदा पाणिग्रह में अपना इंस्टालेशन समारोह आयोजित किया। रोटरी के समृद्ध इतिहास पर एक मनोरम प्रस्तुति दी गई, जिसमें वर्षों से समाज में इसके महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया गया। डॉ. निर्मला सेवानी ने निवर्तमान अध्यक्ष अश्विनी चौबीसा से पदभार ग्रहण करते हुए रोटरी क्लब जयपुर साउथ के अध्यक्ष पद की शपथ ली। डॉ. सेवानी के साथ क्लब सचिव रितु खत्री सहित निदेशक मंडल के अन्य सदस्य मौजूद रहे, जिन्हें रोटरी पिन भेंट की गई और उन्होंने अपनी-अपनी शपथ ली। कार्यक्रम के इंस्टालेशन अधिकारी तत्काल पूर्व प्रांतपाल डॉ. बलवंत सिंह चिराना ने कार्यवाही का संचालन किया। कार्यक्रम में सुधीर गुप्ता, नरेंद्र सिंह और सुधीर कासलीवाल सहित कई अतिथि उपस्थित रहे।

280 आर्टिस्ट दिखाएंगे कला

बेधड़क. जयपुर। जयपुर की कलादीर्घा की दीवारों पर 280 कलाकारों के लेख, चित्र और छाया चित्रों को देखकर प्रेरणा मिलेगी। जवाहर कला केन्द्र और सफदर हाशमी मेमोरियल ट्रस्ट (सहमत) के संयुक्त तत्वावधान में 15 जुलाई से 15 अगस्त तक अलंकार कला दीर्घा में प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। कला संसार के तहत होने वाली प्रदर्शनी 'हम सब सहमत' में 280 कलाकार शामिल होंगे। 15 जुलाई को शाम 5 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा, जिसमें कला प्रेमी भी हिस्सा लेंगे। इसके बाद सुबह 11 से शाम 7 बजे तक प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकेंगे।

कथक में चारू को छात्रवृत्ति

बेधड़क. जयपुर। प्रदेश का टैलेंट एक बार फिर मोटिवेट किया गया और प्रतिभा के बल पर उनको स्कॉलरशिप दी गई। मौका है भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय व सांस्कृतिक संसाधन व प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) दिल्ली की ओर से वर्ष 2020-21 के लिए युवा कलाकार राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना में कथक के लिए चारू शर्मा का चयन का। वह राजस्थान से एकमात्र हैं, जिन्हें वर्ष 2020-21 के लिए चुना गया है। वर्तमान में चारू शर्मा जयपुर के नृत्यगुरु डॉ. ज्योति भारती गोस्वामी के मार्गदर्शन में शिक्षा ले रही हैं।

City इवेंट्स

जनसंख्या असंतुलन चिंता का विषय

बेधड़क, जयपुर। विश्व जनसंख्या दिवस पर मानसरोवर में मनसंचार विमर्श समूह की ओर से 'लैंगिक समानता की शक्ति' थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चर्चा में प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि यदि विश्व की अनंत संभावनाओं को उजागर करना है तो विश्व की आधी आबादी नारी जाति का सशक्तिकरण आवश्यक है। चर्चा में प्रतिभागियों ने बढ़ती आबादी के साथ ही जनसांख्यिकी परिवर्तन पर चिंता व्यक्त की।

फादर जोसफ बिशप नियुक्त

बेधड़क, जयपुर। अजमेर धर्मप्रांत के फादर जोसफ कल्लारेकल को जयपुर धर्मप्रांत का बिशप नियुक्त किया। वैटिकन के पॉप फ्रांसीसी ने इसकी घोषणा रोम में की। उसी समय जयपुर में बिशप ओसवल्ड लुइस की ओर से मालवीय नगर के मुख्य गिरजाघर में यह घोषणा बेटिकन के साथ की गई। नव नियुक्त बिशप का जन्म केरल के इडुकी जिले के अनाविलासम गांव में हुआ था। वे केरल में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद अजमेर आ गए थे। यहां गुरु बनने के लिए संत टेरेजा गुरुकुल में दाखिला लिया। इसके बाद फादर जोसफ ने इलाहाबाद में अध्ययन किया। उनका 2 जनवरी 1997 को कैथेलिक गुरु के रूप में पुरोहिताभिषेक किया गया। इसके बाद उन्होंने देश में कई जगह सेवाएं दी। 59 वर्षीय फादर जोसफ फिलहाल अजमेर के महामंदिर में कार्यरत हैं। जयपुर धर्मप्रांत का गठन 20 जुलाई 2005 को हुआ था।

'एक ही तो दिल है भोले' का विमोचन

बेधड़क, जयपुर। अमरनाथ यात्रा के संस्मरणों पर आधारित संजय शर्मा की पुस्तक 'एक ही तो दिल है भोले' का विमोचन हरिदेव जोशी यूनिवर्सिटी ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन की वॉइस चांसलर प्रोफेसर सुधी राजीव, शिक्षाविद प्रो. के. बी. कोठारी, साहित्यकार प्रेमचंद गांधी और जयपुर साहित्य संगीति के अरविंद कुमार सम्भव ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सुधी राजीव ने कहा कि पुस्तक यात्रा वृतांत के साथ धर्म, विज्ञान और पौराणिकता को जोड़ती है। अरविंद कुमारसंभव ने पुस्तक की समीक्षा की। प्रेमचन्द गांधी, के बी कोठारी, लेखक-रंगकर्मी डॉ. हेमन्त आचार्य, आदेश चतुर्वेदी, सेव द चिल्ड्रन की राज्य प्रमुख नीमा पंत, विजय गोयल, मनीष सिंह, पुरूषोत्तम दिवाकर, ट्रेवलर जसविंदर कौर आदि उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय वरिष्ठ वंश लेखक प्रतिनिधि सम्मेलन

वंश लेखन के साथ सरकारी योजनाएं घर-घर पहुंचाएं

बेधड़क | जयपुर

वंशावली लेखन भारत की महान परम्परा है और वंशलेखक वंशलेखन के साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को भी घर-घर लेकर जाएं, जिससे कोई भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। ये विचार संस्कृत शिक्षा, कला, साहित्य व संस्कृति मंत्री डॉ. बी डी कल्ला ने रखे।

वंशलेखकों का समाज में योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होने वंशलेखकों को वंशावली के साथ प्रदेश व देश का इतिहास लिखने पर जोर दिया। डॉ. कल्ला हरीश चन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान में वंशावली संरक्षण व संवर्धन अकादमी की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय वरिष्ठ वंश लेखक प्रतिनिधि सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, कि लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी लेखकों पर होती है। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए ओल्ड पेंशन स्कीम, चिरंजीवी योजना समेत जनकल्याणकारी योजनाओं को असाधारण बताया। विशिष्ट अतिथि राजस्थान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष खानू खां बुधवाली ने कहा कि वंश लेखकों को संरक्षण व संवर्धन का काम किया जा रहा है। वंशावली संरक्षण व संवर्धन अकादमी अध्यक्ष रामसिंह राव ने अकादमी के गठन लिए धन्यवाद दिया। समारोह में वंशावली संरक्षण व संवर्धन अकादमी सदस्य भवानी सिंह जाडोत, महावीर सिंह, राहुल समेत प्रदेश भर के वंशलेखक उपस्थित रहे।

वाणी त्रिपाठी टिकू की पुस्तक का विमोचन

युवाओं में आवश्यक जीवन कौशल को बढ़ावा देने पर जोर

बेधड़क | जयपुर

द पैलेस स्कूल में प्रभा खेतान फाउंडेशन मुस्कान के सहयोग से लेखिका वाणी त्रिपाठी टिकू द्वारा लिखित पुस्तक 'व्हाई कान्ट एलिफेंट्स बी रेड?' पुस्तक के विमोचन का।

इस अवसर पर महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट की कार्यकारी नियासी और द पैलेस स्कूल के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की सदस्या रमा दत्त उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत अपरा कुच्छल ने प्रभा खेतान फाउंडेशन पर प्रकाश डालते हुए की, जिसमें आवश्यक जीवन कौशल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।

लेखिका वाणी त्रिपाठी टिकू का परिचय दिया गया, जिसमें एक अभिनेत्री, निर्माता, सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और थिएटर, फिल्मों और टेलीविजन में उनके योगदान को दर्शाया गया। प्रिंसिपल उर्वशी वर्मन और लेखिका वाणी त्रिपाठी टिकू के बीच पुस्तक पर साहित्यिक संवाद विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उर्वशी वॉरमैन ने पुस्तक में छिपे गहन संदेशों को उजागर किया। संवाद के अंत में युवाओं के साथ लेखिका की बातचीत शामिल थी, जहां युवाओं ने उत्सुकता से प्रश्न पूछे। रमा दत्त ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और पुस्तकें पढ़ने का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि 'जितना अधिक आप पढ़ेंगे, उतनी अधिक चीजें आप जानेंगे, जितना अधिक आप सीखेंगे, उतनी अधिक जगहों पर आप जाएंगे।'

अकादमी की साधारण सभा | 75 चयनित पांडुलिपियों का प्रकाशन करने का निर्णय

अब विशेषज्ञ तैयार करेंगे बच्चों की अध्ययन सामग्री

बेधड़क | जयपुर

बच्चों में नैतिक मूल्यों को बढ़ाने के लिए पं. जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी काम कर रही है। अकादमी की साधारण सभा और कार्यकारिणी सभा की बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर के साथ मिलकर अकादमी की ओर से नैतिक मूल्यों पर आधारित अध्ययन सामग्री विशेषज्ञों से तैयार कराई जाएगी।

इसे राज्य सरकार की सहायता से प्रकाशित कराकर स्कूलों में भिजवाया जाएगा। अकादमी अध्यक्ष इकराम राजस्थानी ने बताया कि इस वर्ष जवाहर लाल नेहरू के नाम पर राष्ट्र स्तरीय सर्वोच्च शिखर सम्मान देने का निर्णय लिया गया है। अकादमी द्वारा 5 बाल साहित्य मनीषी, दो विशेष साहित्यकार पुरस्कार और 16 बाल साहित्य की पुस्तकों पर विशेष पुरस्कार आगामी सितंबर माह में प्रदान किए जाएंगे। अकादमी सचिव राजेंद्र शर्मा ने बताया कि संयुक्त प्रकाशन योजनान्तर्गत 75 पांडुलिपियों का प्रकाशन किया जाएगा। वहीं लोक का आलोक के अंतर्गत 5 कहानी संग्रह अलग से प्रकाशित होंगे।

रचनात्मक शिविर लगाए जाएंगे

अकादमी की ओर से बच्चों से कविता, नाटक, कहानी आदि के सृजन के लिए विद्यालय स्तर पर रचनात्मक शिविर आयोजित किए जाएंगे। चयनित रचनाओं को अकादमी की पत्रिका 'सतरंगा बचपन' में प्रकाशित किया जाएगा। अकादमी द्वारा प्रकाशित साहित्य को 100 राजकीय विद्यालयों में मुफ्त वितरित किया जाएगा।

ये हुए बैठक में शामिल

बैठक में अकादमी उपाध्यक्ष बुलाकी शर्मा, भगवती प्रसाद गौतम, ओमप्रकाश भाटिया, अंजीव अंजुम, अकादमी की पत्रिका के संपादक सत्यदेव सवितेंद्र, अकादमी कोषाध्यक्ष महेश गुप्ता, वित्त समिति के सदस्य उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त बीकानेर से अजीत फाउंडेशन के प्रतिनिधि संजय श्रीमाली, गंगानगर से सृजन संस्थान के अध्यक्ष अरुण सहरिया और एसआईईआरटी उदयपुर के एसोसिएट प्रोफेसर अशोक बैरवा और गोविंद शर्मा ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, बुधवार, 12 जुलाई, 2023

10

"ज्यादा प्रशंसा करने वालों से खुश नहीं, सावधान रहने की जरूरत है"

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

जिमेक्स-2023 में दिखाया युद्ध कौशल

बंगाल की खाड़ी। भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित द्विपक्षीय जापान-भारत समुद्री अभ्यास 2023 (जिमेक्स 23) का सातवां संस्करण विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया। दोनों देशों की नौसेनाएं ने संयुक्त रूप से समुद्र में अपने युद्ध कौशल दिखाया। जिमेक्स 2023 में आईएनएस दिल्ली, भारत का पहला स्वदेशी रूप से निर्मित गाइडेड मिसाइल विध्वंसक, आईएनएस कामोर्टा, स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित एंटी-सबमरीन वारफेयर कार्वेट, बेड़े टैंकर आईएनएस शक्ति, एक पनडुब्बी, समुद्री गश्ती विमान पी-8। और डोर्नियर, जहाज-वाहित हेलिकॉप्टर तथा लड़ाकू विमान की भागीदारी देखी गई। ***-पीटीआई***

पाक के वित्त मंत्री इशाक डार का बयान

पाकिस्तान को सऊदी अरब से मिली दो अरब डॉलर की रकम

एजेंसी | इस्लामाबाद

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के साथ कर्ज मंजूरी पर अहम बैठक के पहले पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने मंगलवार को कहा कि सऊदी अरब से उनके देश को दो अरब डॉलर की जमा मिली है। मुद्राकोष के कार्यकारी मंडल की 12 जुलाई को होने वाली बैठक में पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर का कर्ज देने पर फैसला लिया जाना है। इसके पहले दोनों पक्षों के बीच कर्मचारी स्तर पर 29 जून को आपात ऋण समझौता हुआ था।

डार ने ट्विटर पर जारी एक बयान में कहा कि पाकिस्तानी केंद्रीय बैंक एसबीपी को सऊदी अरब से दो अरब डॉलर की जमा मिली है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ गया है। वित्तीय संकट से गुजर रहे पाकिस्तान के पास सिर्फ 4.4 अरब डॉलर की ही विदेशी मुद्रा है। इस पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी सऊदी अरब के नेतृत्व एवं अवाम का आभार जताते हुए शहजादा मोहम्मद बिन सलमान को धन्यवाद दिया। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को यह जमा राशि देने का वादा पहले ही किया था, लेकिन वह मुद्राकोष के साथ समझौता होने का इंतजार कर रहा था। मुद्राकोष पाकिस्तान को कर्ज देने के पहले उसके विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर आश्वस्त होना चाहता है।

विदेश से प्रेषित धन में आई बड़ी गिरावट

इस्लामाबाद। गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को विदेश में रहने वाले अपने नागरिकों की तरफ से गैरकानूनी तरीकों से धन भेजे जाने से वित्त वर्ष 2022-23 में चार अरब डॉलर से भी अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक एसबीपी ने धनप्रेषण के आंकड़े जारी करते हुए कहा है कि जून के महीने में विदेश से भेजी गई राशि मई की तुलना में चार प्रतिशत बढ़कर 2.18 अरब डॉलर हो गई।

माउंट एवरेस्ट देखने गए थे मेक्सिको के 5 नागरिक

नेपाल में हेलिकॉप्टर क्रैश कैप्टन सहित छह की मौत

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल में एक बार फिर विमान हादसा हुआ है। पूर्वी नेपाल में माउंट एवरेस्ट के समीप एक निजी वाणिज्यिक हेलिकॉप्टर के मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार मेक्सिको के एक परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की मौत हो गई।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) के प्रबंधक ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि मनांग एअर के हेलिकॉप्टर 9एन-एएमवी ने सुबह 10 बजकर चार मिनट पर सोलुखुंबु में सुरकी हवाई अड्डे से काठमांडू के लिए उड़ान भरी थी। उससे सुबह 10 बजकर 13 मिनट पर 12,000 फीट की ऊंचाई पर अचानक संपर्क टूट गया। हेलिकॉप्टर दूरवर्ती पर्वतीय

सोलुखुंबु जिले में लिखेपिके ग्रामीण नगरपालिका के लामजुरा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टीआईए के प्रवक्ता टेकनाथ सितौला ने बताया कि तलाश अभियान के दौरान दुर्घटनास्थल पर सभी छह लोगों के शव बरामद किए गए। इन छह लोगों में कैप्टन चेत बहादुर गुरुंग और मेक्सिको के पांच नागरिक शामिल हैं। जिला पुलिस प्रमुख दीपक श्रेष्ठ ने बताया कि पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त कर ली है। सभी पांच विदेशी यात्री मेक्सिको के एक परिवार के थे। उनकी पहचान दो पुरुष सिफुएंतिस जी. फर्नांडो (95) और सिफुएंतिस रिंकॉन इस्माइल (98) तथा तीन महिलाओं सिफुएंतिस गोंजालेज अब्रिल (72), गोंजालेज ओलासियो लुज (65) और सिफुएंतिस जी. मारिया जेसे (52) के रूप में की गई है। ऐसा लगता है कि खराब मौसम के कारण यह हादसा हुआ।

2018 में किया था लाइसेंस सस्पेंड

मनांग एअर 1997 में स्थापित काठमांडू की एक हेलिकॉप्टर एअरलाइन है। वह नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण विनियमन के तहत नेपाली क्षेत्र के भीतर वाणिज्यिक हवाई सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी चार्टर्ड सेवाएं उपलब्ध कराती है। साल 2018 में एक भारतीय कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्री की मौत के बाद इस मनांग एयर का हेलिकॉप्टर लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया था। तीर्थयात्री हिल्सा क्षेत्र में उस समय मृत्यु का शिकार हुआ जब हेलिपेड पर हेलिकॉप्टर के पिछले ब्लेड की चपेट में आ गया था। हालांकि वह निलंबन अस्थायी था।

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने किया जारी

इमरान के खिलाफ गैर जमानती वारंट

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने मंगलवार को अवमानना के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। ईसीपी ने समान अपराध के लिए पूर्व सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी के खिलाफ भी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। ईसीपी ने पिछले साल पीटीआई के प्रमुख इमरान सहित अन्य के खिलाफ कथित तौर पर 'अमर्यादित' भाषा का इस्तेमाल करने के लिए अवमानना कार्यवाही शुरू की थी। खान और चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट आदेश ईसीपी के सदस्य निसार दुर्रानी की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ द्वारा पारित किया गया, जब दोनों पीटीआई नेता कई चेतावनियों के बावजूद मंगलवार को उसके सामने पेश नहीं हुए। हालांकि, उमर को राहत दे दी गई जब उनके वकील ने ईसीपी को बताया कि उन्हें एक और मामले में पेश होना है और उन्होंने चिकित्सा वजहों का उल्लेख करते हुए हाजिर होने से छूट का अनुरोध किया। ईसीपी ने अनुरोध स्वीकार कर लिया और वकील को इस संबंध में एक औपचारिक अर्जी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, लेकिन उसने खान और चौधरी के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया तथा सुनवाई 25 जुलाई तक स्थगित कर दी।

बैंकॉक में एलिवेटेड सड़क ढही, दो मरे

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एलिवेटेड सड़क के ढह जाने से दो लोगों की मौत हो गई। सोमवार शाम हुए इस हादसे में 11 लोग घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सिट्टीपन ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि हादसे में एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

नकाबपोश बंदूकधारियों ने नौ लोगों को जलाया जिंदा

एजेंसी | तोलुका (मेक्सिको)

नकाबपोश बंदूकधारियों ने मेक्सिको के मध्य शहर तोलुका में एक बाजार में सोमवार को गोलीबारी करने के बाद आग लगा दी। इससे नौ लोगों की मौत हो गई। अभियोजकों ने बताया कि हमलावर बाजार पहुंचे, गोलीबारी की और फिर बाजार के एक हिस्से पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क दिया और आग लगाकर वहां से भाग गए। जान गंवाने वालों में से तीन की उम्र 18 साल से कम थी। उनकी शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है।

अभियोजकों ने बताया कि हमले के समय सुरक्षा कर्मी ड्यूटी पर नहीं थे और इस पहलू की भी जांच की जा रही है। हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है। मेक्सिको में बाजारों में आग अक्सर विक्रेताओं से उगाही करने वाले गिरोहों द्वारा लगाई जाती है, लेकिन कुछ विक्रेताओं के बीच बाजारों के भीतर स्थानों के कब्जे को लेकर विवाद बताया जा रहा है।

अमेरिका के मुकाबले भारत में ज्यादा सुरक्षित हैं अल्पसंख्यक: नायडू

'भारतीयों के खून में धर्मनिरपेक्षता'

एजेंसी | वाशिंगटन

पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीयों के खून में है और अमेरिका सहित कई अन्य देशों के मुकाबले भारत में अल्पसंख्यक कहीं ज्यादा सुरक्षित हैं। वेंकैया (74) ने 'नेशनल काउंसिल ऑफ एशियन इंडियन एसोसिएशन्स' द्वारा सोमवार को ग्रेटर वाशिंगटन डीसी इलाके में उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

पश्चिमी मीडिया का एक तबका भी इसमें शामिल है। वह भारत और वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार का हिस्सा बन गया। मैं इन लोगों को बताना चाहूंगा कि भारत

में अल्पसंख्यक यहां (अमेरिका) के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि आप देखिए कि भारत में क्या हो रहा है और दूसरे देशों में क्या हो रहा है। लेकिन, आप जानते हैं कि भेदभाव (दूसरे देशों में) किया जा रहा है। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत अपने अल्पसंख्यकों का सम्मान करता है।

कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा

पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि जो लोग पाकिस्तान जाना चाहते थे, वे पहले ही देश छोड़ चुके हैं। जो लोग देश में रहना चाहते थे, वे भारत में ही हैं... भारत में धर्मनिरपेक्षता है, क्योंकि यह भारतीयों के खून में है। पाकिस्तान की तरफ इशारा करते हुए वेंकैया ने पड़ोसी देश को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने के खिलाफ चेताया। उन्होंने दोहराया कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। पिछले सप्ताहांत 'एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडियन ओरिजिन (एएपीआई)' के 41वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति ने स्वस्थ्य जीवन जीने के लिए जीवनशैली में बदलाव पर जोर दिया था। उन्होंने एएपीआई सदस्यों से अपने मूल स्थान के लिए योगदान देने का आग्रह किया था और मातृभूमि की देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला था। 'नेशनल काउंसिल ऑफ एशियन इंडियन एसोसिएशन्स' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'सिख्स ऑफ अमेरिका' संगठन ने भारत में सिखों के कल्याण के लिए काम करने के वास्ते वेंकैया को सम्मानित भी किया। वेंकैया पिछले कुछ दिनों से अमेरिका में हैं। पिछले सप्ताहांत उन्होंने फिलाडेल्फिया में भारतीय-अमेरिकी चिकित्सकों की एक सभा को संबोधित किया था।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: मनोज माथुर*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl